dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

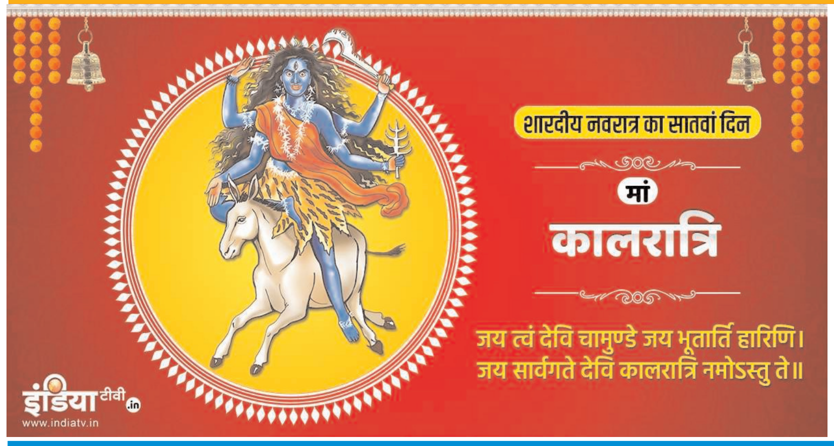

दैनिक
दीन बन्धु
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, शुक्रवार
04.04.2025
वर्ष : 13
अंक : 117
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

थाईलैंड में दुनिया की सबसे यंग प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा से मिले पीएम मोदी और बोले

रामायण की कहानियां थाईलैंड के लोगों के जीवन का हिस्सा हैं...

नई दिल्ली/बैंकॉक ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी गुरुवार को 2 दिन के थाईलैंड दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। सबसे पहले पीएम मोदी ने 28 मार्च को भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने भारत और थाईलैंड के धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि सदियों पुराने संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कड़ियों से जुड़े हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे लोगों को जोड़ा है। रामायण की कहानियां थाई लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इससे पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचकर पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद थाई रामायण का मंचन देखा। यहां रामायण को रामाकेन कहा जाता है। इसके बाद क्क्रू मोदी ने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा (38) से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे दुनिया की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने व्यापारिक संबंधों पर चर्चा की।

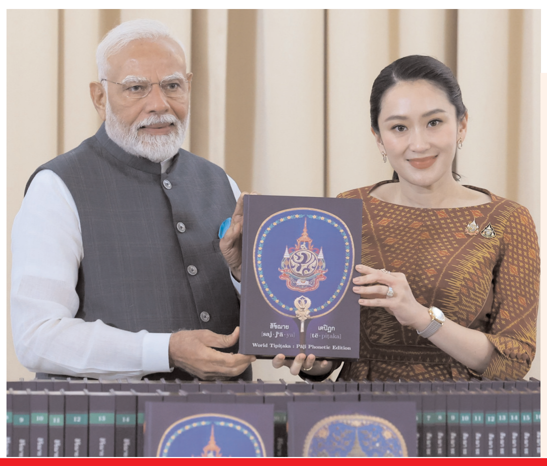

पीएम मोदी के संबोधन की 3 प्रमुख बातें...

1. **भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष थाईलैंड भेजे जाएंगे :** पीएम मोदी ने कहा कि पीएम शिनवात्रा ने मुझे त्रिपिटक भेंट किया। 'बुद्ध भूमि' भारत की ओर से, मैंने इसे श्रद्धा पूर्वक स्वीकार किया। पिछले साल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत से थाईलैंड भेजे गए थे। मैं यह घोषणा करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूं कि गुजरात के अरावली में 1960 में मिले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भी थाईलैंड भेजे जाएंगे।
2. **भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में थाईलैंड का खास योगदान :** पीएम ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो पेसिफिक विजन में थाईलैंड का खास योगदान है। आज हमने अपने संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का रूप देने का फैसला किया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच स्ट्रैटजिक डायलॉग स्थापित करने पर चर्चा की गई। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले।
3. **दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा :** पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच स्त्रस्त्र, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट में सहयोग के लिए समझौता हुआ है। रिन्युएबल एनर्जी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-व्हीकल्स, रोबोटिक्स, स्पेस, बायोटेक्नोलॉजी और स्टार्ट अप में सहयोग बढ़ाने का फैसला लिया गया है। दोनों देशों के बीच फिनटेक कनेक्टिविटी बढ़ाने पर काम किया जाएगा। भारत ने थाई पर्यटकों के लिए ई-वीजा देना शुरू कर दिया है।

खंडवा में कुएं में समा गई 8 जिंदगियां

कुएं में जहरीली गैस बनने से हादसा!

गणगौर के लिए सफाई करने उतरा शख्स डूबा, उसे बचाने के चक्कर में हुआ बड़ा हादसा

खंडवा ■ ब्यूरो

खंडवा में 8 लोग एक कुएं में डूब गए। सभी की मौत हो गई। करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी 8 शव कुएं से बाहर निकाल लिए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। ये घटना गुरुवार शाम को जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव की है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन को लेकर अर्जुन नाम का शख्स कुएं की सफाई करने उतरा, जो जहरीली गैस के कारण बेसुध होकर कुएं में जमा दलदल में डूब गया। उसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक 7 और लोग कुएं में उतरे। ये सब भी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से डूब गए और इनकी जान चली गई। बताया जा रहा है कि गुरुवार को दोपहर के वक्त 8 लोग कुएं में डूबे थे, शाम तक बाहर नहीं निकले। जिसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। साथ ही पुलिस और प्रशासन को भी सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ ही स्ठ्ठश्वक्रस्न का 15 सदस्यीय दल भी मौके पर पहुंच गया। रेस्क्यू टीम रस्सी और जाली लेकर कुएं में उतरी और शवों को बाहर निकाला।

जहरीली गैस से मौत की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस कुएं की सफाई के लिए 8 लोग नीचे उतरे थे, उस कुएं के किनारे एक नाली निकलती है, इस नाली के जरिए गांव का गंदा पानी कुएं में जाता है। जिससे कुआं दलदल में तब्दील हो गया है। इसी दलदल की सफाई के लिए ग्रामीण कुएं में उतरे थे। आशंका जताई जा रही है कि गंदगी के कारण कुएं में जहरीली गैस बन गई, जिससे इन लोगों का दम घुटने लगा।

देवास में एक साथ जली 18 चिताएं...तो रो पड़ा हर शख्स

देवास। गुजरात के बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मारे गए मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों का अंतिम संस्कार गुरुवार को नर्मदा किनारे किया गया। देवास जिले के खातेगांव के पास गांव संदलपुर के नर्मदा किनारे 18 चिताएं एक साथ जलाई गईं। जिसने भी ये दिल दहलाने वाला दृश्य देखा, उसके आंसू नहीं थम रहे थे।

लोकसभा से पास होने के बाद वक्फ बिल पर राज्यसभा में मचा घमासान

विपक्ष मुद्दे को भटकाने और गलत विमर्श बनाने की कोशिश कर रहा है : जेपी नड्डा

सरकार पर बरसे इमरान प्रतापगढ़ी बोले : हमारी इबादतगाहों को तो मत छीनो

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पास होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया। दोपहर 1 बजे से चर्चा हो रही है। बीजू जनता दल ने वक्फ बिल पर कहा है कि पार्टी ने अपने सांसदों को कोई व्हिप जारी नहीं किया है। सांसद अपनी अंतरात्मा की सुने और वक्फ बिल पर फैसला लें। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्?डा ने वक्फ बिल पर विपक्ष के रुख को लेकर निशाना साधा। नड्डा ने कहा- हमने कांग्रेस नेतृत्व वाली क्क्सरकार की तुलना में वक्फ बिल को लेकर कहीं ज्यादा गंभीरता दिखाई। यह बिल पार्टी इंट्रेस्ट का नहीं है, यह नेशनल इंट्रेस्ट का विषय है। इसलिए मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। विषय को डिरेल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा- बिल में कहीं राम मंदिर आ रहा है। कहीं कुंभ मेला दिख रहा है। बिहार का इलेक्शन दिख रहा। कहीं एअर इंडिया बिक गया। कहीं केरला का सिनेमा आ गया। ये सब चर्चा को डिरेल करने की कोशिश है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। इससे पहले बुधवार देर रात तक चर्चा के बाद इस बिल को लोकसभा से पारित कर दिया गया। रिजिजू ने राज्यसभा में कहा- संशोधित बिल में मुसलमानों के धार्मिक क्रियाकलापों में किसी तरह का हस्तक्षेप कोई गैर मुस्लिम नहीं करेगा। हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। हम किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं हैं।

खड़गे बोले- बिल में खामियां, इसलिए स्वीकार नहीं किया

खड़गे बोले– विपक्ष के सभी लोगों ने बिल को स्वीकार नहीं किया। इसका मतलब इसमें खामियां है। जिसकी लाठी उसकी भैंस ये हर वक्त ठीक नहीं। ये दान देने और दान लेने का मामला है। दान देने वाला किसी भी धर्म का हो सकता है। इन्हें ध्यान में रखने की जगह आपने माइनॉरिटीज के हकों को छीनने की कोशिश की है।

सांसद कपिल सिब्बल- मेरी प्रॉपर्टी मैं किसी को भी दूं

निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि मैं कोई विवादित बात नहीं करूंगा। मान लीजिए मैं हिंदू–मुसलिम, सिख या कुछ भी हूं, अपनी संपत्ति दान करना चाहता हूं, मुझे कौन रोक लेगा। अब जो कानून बना है उसमें कहा गया है कि केवल मुस्लिम ही वक्फ को संपत्ति दे सकेगा। पीएम मोदी हमेशा कहता हैं कि वन नेशन वन लॉ... जब ऐसा ही होना तो ये कैसा लॉ है।

लालू बोले- अफसोस मैं सदन में नहीं हूं, अकेला ही काफी था

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव खराब तबीयत के कारण दिल्ली के एम्स में दाखिल हैं। इस बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके अकाउंट से एक पोस्ट किया गया है। पोस्ट में लिखा, उन्होंने कहा कि मुझे अफसोस है कि अल्पसंख्यकों, गरीबों, मुसलमानों और संविधान पर चोट करने वाले इस कठिन दौर में संसद में नहीं हूं अन्यथा अकेला ही काफी था। सदन में नहीं हूं तब भी आप लोगों के ख्यालों, ख्वाबों, विचारों और चिंताओं में हूं, यह देखकर अच्छा लगा।

बीजेपी ने वक्फ बिल पर वोटिंग में गैरहाजिर सांसदों से मांगा जवाब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भाजपा ने लोकसभा में वक्फ बिल पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने वाले अपने सांसदों से स्पष्टीकरण मांगा है. पार्टी ने सभी सांसदों को थ्री-लाइन व्हिप जारी किया था, फिर भी कुछ सांसद, जिनमें एक केंद्रीय मंत्री और एक महिला सांसद भी शामिल हैं, अनुपस्थित रहे. अब पार्टी ने उनसे जवाब मांगा है. बीजेपी ने लोकसभा में वक्फ बिल पर वोटिंग में गैरहाजिर सांसदों से मांगा जवाब, जारी किया था लोकसभा में वक्फ बिल पर वोटिंग के दौरान गैरहाजिर रहने वाले अपने सांसदों से जवाब मांगा है. पार्टी ने सभी सांसदों को व्हिप जारी करते हुए निर्देश दिया था कि वे सदन में मौजूद रहें और वोटिंग में हिस्सा लें, लेकिन इसके बावजूद कुछ सांसद वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहे. बीजेपी ने तीन लाइन का व्हिप जारी किया था, जिसमें सांसदों से कहा गया था कि वे इस महत्वपूर्ण विधेयक पर मतदान के दौरान सदन में उपस्थित रहें.

बंगाल में 25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। पश्चिम बंगाल में स्स्ष्ट ने 2016 में 25 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षकों को नियुक्ति की थी। हाईकोर्ट ने इन नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए कर्मचारियों को बर्खास्त किया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच को सही माना और कहा कि पूरी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गई। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। इसके साथ ही CBI जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल BJP ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है।

ब्रीफ न्यूज

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में आंधी-बारिश और ओले का अलर्ट

भोपाल। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली हवाओं के चलते देशभर में मौसम बदल गया है। पिछले हफ्ते हीटवेव से जूझ रहे कई राज्यों अगले कुछ दिनों तक बारिश और बादल की वजह से तापमान घट जाएगा।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में आंधी– बारिश और ओले गिर सकते हैं। यहां 40–50kmph की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। क्क बिहार, बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, कनार्टक, आंध्र प्रदेश, कोंकण, गोवा और नॉर्थ ईस्ट के सातों राज्यों में बारिश का अलर्ट है। हालांकि, गुजरात के सौराष्ट्र, कच्छ, पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में गर्मी बढ़ेगी। उत्तरी हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते लाहौल स्पीति की सिस्सू लेक जम गई है।

मुंबई में लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार, निशाने पर सेलिब्रिटी

मुंबई. ये लॉरेंस बिश्नोई है, जो गुजरात की जेल में है। फिलहाल गैंग को लॉरेंस और उसके 4 साथी मिलकर चला रहे हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार, 2 अप्रैल को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें संदेह है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 1 साल तक किए पटाखे बैन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली–एनसीआर में पटाखे बनाने, स्टोर करने और बेचने पर लगे प्रतिबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा– वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। पीठ ने कहा कि हर कोई अपने घर या ऑफिस में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बहुत कम प्रदूषण होता है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। सुनवाई के दौरान निजी रूप से पेश इंजीनियर मुकेश सिंह ने कहा कि पटाखे पर पाबंदी का फैसला ठीक नहीं है। पटाखे पर्यावरण साफ करते हैं।

40 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट स्पेस में जाएगा

नई दिल्ली। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जा सकते हैं। इस मिशन में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने एक अपडेट में इसकी जानकारी दी। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। अभी वह इंडियन एयरफोर्स में ऑफिसर है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन–9 रॉकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा।

उद्यानिकी में नवाचार करने वाले किसानों को किया जाए सम्मानित, सीएम ने की उद्यानिकी तथा खाद्य संस्करण विभाग की समीक्षा

उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप जिला स्तर पर लगाए: सीएम

भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विश्वविद्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए। प्रदेश के सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने तथा अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह,

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है, साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अंतर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के तीनों क्षेत्रों चंबल-मालवा और महाकौशल में उद्यानिकी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है। सभी विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आदर्श बागवानी या नर्सरी विकसित कर क्षेत्र के किसानों को अपने स्तर पर प्रेरित करें। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किसानों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र जैसी संस्थाओं से किसानों के संवाद को भी प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

किसानों को फसल का मिले सही मूल्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस–पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है।

ब्रीफ न्यूज़

थ्रेशर में फंसने से किसान की मौत, थ्रेशर मालिक पर मामला दर्ज

भोपाल। नजीराबाद थाना इलाके में थ्रेशर मशीन से गेंहु निकालते समय एक युवक के हाथ उसमें फसंकर कट गये थे, बाद में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने जॉच के आधार पर थ्रेशर मालिक के खिलाफ मामला कायम किया है। पुलिस जॉच में सामने आया की हादसा थ्रेशर मालिक की लापरवाही के कारण हुआ जिससे किसान की जान चली गई। पुलिस के अनुसार अर्जुन पुत्र हरि सिंह गिरी (27) बरखेड़ा कला में रहता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटी बेटी हैं। तीन दिन पहले सुबह वह थ्रेशर मशीन से गेंहु निकाल रहा था, अचानक उसका हाथ थ्रेशर मशीन में फंसकर बुरी तरह से कट गया। मौके पर मौजूद लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन हादसे में खून अधिक बहने से उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। हादसे के कारणो की जॉच के दौरान थ्रेशर मालिक महेश गौर की लापरवाही सामने आने पर पुलिस ने उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा निकाली

भोपाल। जय माँ भवानी सेवा समिति द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया । यह आयोजन लगातार 9वें वर्ष हो रहा है। समिति के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि यह भव्य यात्रा शाम 4 बजे प्रारंभ हुई। चुनरी यात्रा श्याम नगर, अरेरा पेट्रोल पंप के पास से विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद माता के जयकारों के साथ रवाना हुई। **यात्रा मार्ग एवं आयोजन स्थल:** यह यात्रा हबीबगंज थाना, इंदिरा मार्केट, रविशंकर नगर बोर्ड कॉलोनी, एकांत पार्क, कोलार गेस्ट हाउस, चूना भट्टी होते हुए माँ कलिका मंदिर, चूना भट्टी पहुंचेगी। यहाँ माँ को चुनरी अर्पित की गई। विशेष आकर्षण: देवी स्वरूप कन्याओं का रथ चुनरी यात्रा में विशेष रूप से देवी स्वरूप कन्याओं को रथ पर विराजित किया । यात्रा के आगे विशाल भगवा ध्वज, डीजे, ढोल-नगाड़े रहें। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन एवं अर्चन किया , साथ ही श्रद्धालु उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में डॉ. भूपेन्द्र का व्याख्यान 5 अप्रैल को

भोपाल। युवाओं को अपनी आंतरिक शक्ति से परिचित कराने और उन्हें जीवन के विभिन्न आयामों पर जागरूक कराने के उद्देश्य से 5 अप्रैल को स्प्रिचुअल इंटलेक्चुअल समिट, मेटा अवेकनिंग का आयोजन किया जा रहा है। रिक्रिएट योर लाइफ विथ कॉन्शियसनेस, पर आयोजित इस सत्र में फिलॉस्फर और वैज्ञानिक डॉ. भूपेन्द्र चौधरी युवाओं से संवाद करेंगे। कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में सुबह 9.30 बजे शुरू होगा।

भोपाल स्थित 6 संस्थान ईट राइट कैम्पस घोषित

भोपाल। भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण, भारत सरकार के द्वारा भोपाल स्थित वल्लभभवन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट, एम.पी. वाल्मी, ताज लेकफ्रंट होटल, एस.एम.एच. हॉस्पिटल, तथा अपोलो सेज हॉस्पिटल को ईट राइट कैम्पस घोषित किया गया है। ईट राइट कैम्पस प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान संस्थानों में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के समस्त प्रावधानों के अनुपालन की जांच की जाती है। प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों की देखरेख में स्वच्छतापूर्वक वातावरण में सुरक्षित तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदाय करने वाले संस्थानों को फूड सेफ्टी ऑडिट के उपरांत ईट राइट कैम्पस घोषित किया जाता है। भोपाल में वर्ष 2022 से प्रशासनिक एकादमी, हमीदिया हॉस्पिटल, अक्षय पात्रा, ऐम्स भोपाल, जे.पी. हॉस्पिटल जैसे कुल 25 संस्थानों को ईट राइट कैम्पस की मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

मिड-डे-मील के नमूने लिये गये: स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अपेक्षा किये जाने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा भोपाल स्थित 6 विद्यालयों में बनाये जा रहे मिड-डे-मील के नमूने एकत्र किये गये। श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा अभिहित अधिकारी, भोपाल के निदेर्शानुसार माध्यमिक शाला ईंटखेड़ी सड़क, माध्यमिक शाला कोंडिया, माध्यमिक शाला अरवलिया, माध्यमिक शाला सैमरा सैयद, माध्यमिक शाला बगोनिया तथा चन्द्रशेखर आजाद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रातीबड़ में विद्यार्थियों हेतु बनाये गये खीर, सब्जी, पुड़ी, पके हुये चावल, कढ़ी आदि के नमूने एकत्र कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किये गये।

नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

3500 किमी में कितने आश्रम-सामाजिक भवन, दो माह में होगा सर्वे

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश में नर्मदा परिक्रमा पथ निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। एक महीने पहले मनरेगा द्वारा सिप्री नामक सॉफ्टवेयर बनाया गया है। इसके जरिए परिक्रमा पथ का चिह्नांकन किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर से पता लगाया जा रहा है कि कहां पुलिया, कच्ची सड़क और पक्का मार्ग बना हुआ है। कहां नई सड़क या पुलिया की जरूरत है, इसका भी आकलन किया जा रहा है। जहां आवश्यक होगा, वहां निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही, नर्मदा किनारे बने मंदिरों, आश्रमों, सामाजिक भवनों और टॉयलेट की मैपिंग भी की जा रही है। इससे यात्रियों को पहले से इनकी जानकारी मिल सकेगी। नर्मदा नदी की कुल लंबाई लगभग 1314 किमी है। परिक्रमा के दौरान यह दूरी 3500 किमी हो जाती है। इसमें से 2000 किमी का हिस्सा मध्य प्रदेश में आता है। बाकी मार्ग महाराष्ट्र और गुजरात में है। फिलहाल, मध्य प्रदेश सरकार सिर्फ 2000 किमी का चिह्नांकन करवा रही है। इसमें से 1500 किमी का काम पूरा हो चुका है। यात्रियों के लिए सुविधाएं जुटाने का काम पहले ओंकारेश्वर और महेश्वर से शुरू होगा। लगभग 50% पैदल परिक्रमा इन्हीं तीर्थ स्थलों से शुरू होती है। डेढ़ एकड़ में बनेगा आश्रय स्थल नर्मदा किनारे करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय स्थल बनाया जाएगा। इसमें पेड़-पौधे लगाए जाएंगे और रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था होगी। रेडी-टू-स्टे आश्रय स्थल की 7 लेयर की छत होगी, जिससे इसे मजबूती मिलेगी। यह छत बल्ली, बांस, मिट्टी, मिट्टी के खपड़ जैसी पांच लेयर से बनाई जाएगी। इसमें मिट्टी और गोबर का लेपन किया जाएगा। इससे परिक्रमा करने वालों को आध्यात्मिकता का अनुभव होगा। चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इस काम में नर्मदा परिक्रमा करने वाले लोग और समितियां भी शामिल हो सकती हैं।

एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

स्वस्थ मस्तिष्क ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है: सुनीत अग्रवाल

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार एवं श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव साहब प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल के मार्गदर्शन एवं श्री सुनीत अग्रवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल की उपस्थित में आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, कोलार रोड भोपाल में स्वास्थ्य सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल, बी.एम. सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी, भोपाल एवं महाविद्यालय की विधि विभाग प्रमुख अनुष्का नायक ने मां सरस्वती जी की मूर्ति पर हार-फूल अर्पित कर किया। कार्यक्रम में श्री सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभागार में उपस्थित विधि के विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के शिक्षाविदों एवं स्टॉफ को संबोधित करते हुए।

एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी: मंत्री गोविन्द राजपूत

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक एक लाख 25 हजार 631 किसानों से 10 लाख 25 हजार 735 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 1794 करोड़ 82 लाख रुपए का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। श्री राजपूत ने बताया कि गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए है और राज्य सरकार द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि जिला उज्जैन में एक लाख 93 हजार 362, सीहोर में एक लाख 61 हजार 737, देवास में 90 हजार 740, शाजापुर में 92 हजार 613, इंदौर में 69 हजार 558, भोपाल में 74 हजार 75, राजगढ़ में 66 हजार 47, मंदसौर 42 हजार 909, आगर मालवा में 40 हजार 550, धार में 33 हजार 249, विदिशा में 54 हजार 474, हरदा में 24 हजार 45, खण्डवा में 16 हजार 654, रतलाम में 19 हजार 743, नीमच में 6362, नर्मदापुरम में 8140, झाबुआ में 5710, रायसेन में 14183, बैतूल में 2431, दमोह में 3557, खरगौन में 565, गुना में 1057, सागर में 1053, नरसिंहपुर में 221, छिंदवाड़ा में 185, अशोकनगर में 119, सिवनी में 1313, सतना में 926, मण्डला में 90, दतिया में 43 और अलीराजपुर में 24, मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये 15 लाख 9 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है। किसान अब 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकते हैं।

मंत्री सारंग बोले- वक्फ बिल गरीबों को संरक्षण देगा

असदुद्दीन ओवैसी ने जो हरकत की, वह राहुल और प्रियंका को दिखाई नहीं देती

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

लोकसभा में वक्फ संबंधी बिल पास होने के बाद सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में कल जो हरकत की है, क्या वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को दिखाई नहीं दिया कि संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं और सदन में बिल की कॉपी को फाड़ा गया। उन्होंने कहा कि जो बिल पास हुआ है वह किसी कौम के विरोध में नहीं है बल्कि उस वर्ग के गरीब लोगों को संरक्षण देने का सार्थक और सकारात्मक प्रयास है। मीडिया से चर्चा में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सबकी संपत्ति का विवाद कोर्ट में जा सकता है लेकिन वक्फ बोर्ड का विवाद कोर्ट में नहीं जाएगा। कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अधिकार, कर्तव्य और सीमाएं हैं। ऐसा क्यों हो, इसलिए यह बिल जो लोकसभा में पारित हुआ है, वह किसी कौम या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में बदलाव का यह सार्थक और अच्छा प्रयास है। सारंग ने कहा कि ओवैसी ने कल जो हरकत की क्या वह संवैधानिक है। क्या वे यह मानते हैं कि यह पाकिस्तान है उन्होंने कहा कि यह देश कायदे कानून व्यवस्था और परंपराओं से चलेगा। यह सदन कोई मछली घर नहीं हैं। ओवैसी का बिल फाड़ देना क्या प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को दिखाई नहीं देता कि संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अपनी कुंठा दिखाने और राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए बिल फाड़ा गया है। ऐसे लोग विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इनकी राजनीति बंद हो रही है। भाजपा मुसलमान के विरोध की बात नहीं करती बल्कि गरीब मुसलमानों को संरक्षण देने का काम करती है, इससे यह सुनिश्चित हुआ है। यह कौम के गरीब को संरक्षण देने वाला कानून है। जिस प्रकार से हजारों मुसलमान महिलाओं, पुरुषों ने बिल के समर्थन में नारे लगाए हैं और पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन दिया है, उससे यह साफ है कि बिल कौम के समर्थन में है उसके खिलाफ नहीं है। सारंग ने यह भी कहा कि जो इसका विरोध कर रहे हैं वे तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यदि न्यायपालिका को किसी एक तुष्टिकरण की राजनीति के लिए अलग कर देंगे तो यह सही नहीं है।

कांग्रेस को न्यायालय और जनता पर विश्वास नही है: रविन्द्र यति

विधायक सबनानी के पक्ष में निर्णय देकर न्यायालय ने कांग्रेस को दिखाया आइना

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री रविंद्र यति का कहा है कि जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश ने कांग्रेस को आइना दिखा दिया है। उल्लेखनीय है कि, पिछले 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भोपाल के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते श्री भगवान दास सबनानी के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे पीसी शर्मा की ओर से दायर की गई चुनाव याचिका खारिज हो गई है। यति ने कहा कि कांग्रेस को न तो अदालतों पर विश्वास है और न ही जनता जनार्दन की अदालत पर। यति ने जारी बयान में कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने की आदत हो गई है। उसके नेता पांच साल जनता से कटे रहते हैं और चुनाव के वक्त जनता के बीच जाते हैं। हार के डर से वे पहले से ही ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने लगते हैं। यदि वे जीत जाते हैं तो ईवीएम सही है, और हार जाते हैं तो कभी आरोप लगाते हैं और कभी अदालत जाकर जनता के विवेक पर सवाल उठाने लगते हैं। यति ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने किस प्रकार से अदालतों और जनता की अवमानना की है। खुद इंदिरा गांधी को अदालत ने .चुनाव के अ?ोग्य घोषित कर दिया था तो उन्होंने आपातकाल थोप दिया था। यति ने कहा कि अभी भी वक्त है कि कांग्रेस खुद में सुधार करे और जनता के जनादेश को स्वीकार करे, नहीं तो जनता कांग्रेस को इतिहास के कूडेदान में फेंकने में देर नहीं लगाएगी।

महिला बैंककर्मी को बनाया हवस का शिकार, 3 लाख की रकम भी ऐंठी

शादी तय होने के बाद आरोपी ने किया इंकार

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

शहर की पिपलानी थाना पुलिस ने इलाके में रहने वाली एक महिला बैंककर्मी की शिकायत पर युवक के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। आरोप है की दोस्ती होने के बाद आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक न सिर्फ उसका दैहिक शोषण किया बल्कि उससे करीब तीन लाख रुपए भी ऐंठ लिए। बाद में दोनों की शादी भी तय हो गई थी। लेकिन बाद में आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद मामला थाने पहुंचा जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिये है। थाना पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 29 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह बैंक में नौकरी करती हैं। कुछ साल पहले उनकी मुलाकात अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले तरुण धाड़से नामक युवक से हुई थी। तरुण प्राइवेट नौकरी करता था, लेकिन उससे पहचान के कुछ समय पहले से वह बेरोजगार चल रहा था, और नौकरी की तलाश में था। पीड़िता ने पुलिस को आगे बताया की एक दूसरे का व्यवहार पंसद आने पर जल्द ही उनकी जान पहचान दोस्ती में बदल गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। इसकी जानकारी दोनो के परिजनों को लगने पर दोनों परिवारों के लोग शादी के लिए तैयार हो गए और रिश्ता भी तय हो गया। आरोप है कि परिवारो के बीच बातचीत तय होने पर नवंबर 2023 में आरोपी तरुण ने पहली बार युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। पीड़िता के विरोध करने पर उसने जल्द ही शादी होने की बात कही। उसकी बातों में आकर पीड़िता खामोश रह गई। इसके बाद आरोपी ने करीब डेढ़ साल तक कई बार पीड़िता का दैहिक शोषण किया। और कई बहानो से उसने युवती से करीब तीन लाख रुपए भी लेकर हड़प लिए। इधर बातचीत तय होने के बाद काफी समय बीत जाने पर युवती के परिवार वालो ने तरुण और उसके परिजनों पर शादी की तारीख तय करने का दबाव बनाया लेकिन वह लगातार टाल-मटौल करते रहे। बीते दिनों युवती ने तरुण पर लगातार जल्द शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। तब तरुण ने उसके साथ शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता थाने जा पहुंची, मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिये उसके घर पर दबिश दी थी, लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़ सका है। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान जनशक्ति से जलसंरक्षण की क्रांति

निप्र/भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण में जनता की भागीदारी का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में के सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया है। इसी सोच को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य- जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वारा जल संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौध रोपण के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे हैं। इसके साथ ही समाज की सहभागिता के लिए जल संरक्षण जागरूकता के कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान जनप्रतिनिधि और जनमानस बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। विधायक सहित आमजन ने किया श्रमदान गुरुवार को जनपद शिवपुरी की सतेरिया पंचायत में प्राचीन तालाब की गाद निकालने, अनावश्यक झाड़ियों की सफाई के लिए विधायक शिवपुरी श्री देवेन्द्र जैन ने ग्रामवासियों के साथ श्रमदान किया।

तीन महीने के भीतर 78 आपराधिक प्रकरण दर्ज

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की सख्ती से भ्रष्टाचारियों की बढ़ी धडकन

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुशासन की दिशा में जो कदम उठाया है उसको देखते हुए जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। जहां एक तरफ लोकायुक्त भ्रष्टों को ट्रेप करने में लगा हुआ है, वहीं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भी सख्ती पर उतर आया है। भ्रष्टाचार एवं आर्थिक अनियमितता संबंधी प्रकरणों की जांच के लिए गठित एजेंसी ईओडब्ल्यू में इन दिनों फटाफट अपराधिक प्रकरण (एफआईआर) दर्ज हो रहे हैं। जिससे भ्रष्टाचारियों में हडकंप मचा है। पिछले तीन महीने के भीतर ही ईओडब्ल्यू में 78 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने के लिए मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अफसरों के साथ ही विभागों को भी निर्देश दे रखा है। इसी कड़ी में ईओडब्ल्यू ने शिकायतों की जांच के बाद आपराधिक प्रकरण दर्ज करना शुरू कर दिया है। खास बात यह है कि एफआईआर का यह आंकड़ा पिछले साल से डेढ़ गुना से भी ज्यादा है। जांच एजेंसी के इतिहास में किसी भी साल में इतने मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। ईओडब्ल्यू के महानिदेशक उपेन्द्र जैन का कहना है कि ईओडब्ल्यू स्वतंत्र एजेंसी है। शिकायतों की जांच के बाद कार्रवाई होती है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।

सबसे अधिक जबलपुर जोन में प्रकरण दर्ज

ईओडब्ल्यू के रिकॉर्ड के अनुसार चालू साल में 9 जनवरी से लेकर 1 अप्रैल तक 78 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें से ज्यादा 34 मामले जबलपुर जोन के दर्ज किए गए हैं। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में महज 4-4 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा रीवा में 20 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले साल 2024 में 49 प्रकरण और 2023 में 63 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। खास बात यह है कि ईओडब्ल्यू में किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज भोपाल स्थित मुख्यालय में होती है। पिछले तीन महीने के भीतर जांच एजेंसी में ताबड़तोड़ प्रकरण दर्ज होने से भ्रष्टाचारियों में हडकंप मचा है। हाल ही में आजीविका मिशन, अनाज के उपार्जन कार्य से जुड़ी सहकारी संस्थाओं के खिलाफ एफआईआर होने से गड़बड़ी करने वालों में डर का माहौल है। अभी तक एजेंसी में मामले सालों लंबित होने की वजह से आरोपी बेपरवाह होते थे। एजेंसी के रिकॉर्ड के अनुसार ईओडब्ल्यू महानिदेशक उपेन्द्र जैन के आने के बाद प्राथमिकी की संख्या बढ़ी है। बता दें कि राज्य शासन ने पिछले साल दिसंबर में जैन को ईओडब्ल्यू महानिदेशक की कमान सौंपी थी। ईओडब्ल्यू में भ्रष्टाचार एवं आर्थिक अनियमिताओं से जुड़ी शिकायतों पर सीधे एफआईआर दर्ज न होकर, तथ्यों जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया जाता है। इसके लिए ईओडब्ल्यू के 7 संभागीय मुख्यालय भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर और सागर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय हैं। ईओडब्ल्यू में किसी भी शिकयत पर सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं होता है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पहले तथ्यों का परीक्षण होता है। इसके बाद भोपाल में प्रकरण दर्ज होता है।

सुरक्षा के दृष्टिगत पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में पूरी बाउंड्री वॉल का निर्माण करें

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

संभागायुक्त संजीव सिंह ने पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं छात्रावास परिसर में पूरी बाउंड्रीवाल निर्मित करने के निर्देश दिए। साथ ही महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय एवं पीजी भवन के रिपेयरिंग कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराए जाने एवं महाविद्यालय में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली की प्रक्रिया हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव, प्रतिनिधि आयुक्त संचालनालय डॉ. पंकज गुप्ता, प्रधानाचार्य हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. महमुदा बेगम, पंडित खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य श्री उमेश शुक्ला एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में कैजुअल्टी वार्ड विकसित करने हेतु आवश्यक उपकरणों के क्रय करने, डिजिटल एक्स-रे मशीन, चिकित्सालय एवं महिला छात्रावास में अग्निशमन उपकरण, नवीन महिला छात्रावास में वाटर कूलर क्रय करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। श्री सिंह ने महाविद्यालय से संबद्ध महिला छात्रावास एवं पीजी भवन के आगंतुक कक्ष हेतु फुल कवर्ड फिक्स्ड सोफासेट क्रय करने का अनुमोदन प्रदान किया।

'न्यू मीडिया में जितनी चुनौतियां हैं, उतने ही अवसर भी'

पब्लिक रिलेशन काउंसिल आफ इंडिया का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

एआई और डिजिटल मीडिया में सूचनाओं का अंबार है और इसलिए अत्यधिक सूचनाओं के कारण हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। लेकिन इन चुनौतियों के साथ-साथ हमारे लिए अनेक अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। यह हमारे ऊपर है कि हम इन अवसरों को किस प्रकार से भुनाते हैं। इस आशय के विचार दैनिक भास्कर , भोपाल के संपादक श्री सतीश कुमार सिंह ने पब्लिक रिलेशन काउंसिल आफ इंडिया (पीआरसीआई) के 21 वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में व्यक्त किए । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिर्फ कोरी सूचनाएं देने से उनका कोई अर्थ नहीं होता, जब तक कि उन सूचनाओं में हम मानवीय संवेदनाओं को नहीं जोड़ते, तब तक हम उन सूचनाओं को प्रभावी तरीके से अपने टारगेट तक नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने प्रभावी संवाद के लिए सूचनाओं के साथ मानवीय संवेदनाओं को जोड़ने के महत्व पर बल दिया।

इसके पूर्व सेज यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर मयंक सक्सेना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि जो छात्र चाहे वह इंजीनियरिंग के विद्यार्थी हों ,मैनेजमेंट के हों अथवा साइंस या कॉमर्स के विद्यार्थी हों ,उन सभी के लिए एक जरूरी स्किल है- अपने लक्ष्य समूह के साथ बेहतर संवाद कायम करना। यह तभी संभव हो सकता है जब आप संवाद या कम्युनिकेशन की बारीकियों को समझें। कार्यक्रम में पीआरसीआई, मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष श्री प्रशांत पाठराबे ने कहा कि आज के समय में नॉलेज ही पावर है। उन्होंने कहा कि जिसके पास जितनी अधिक सूचनाएं होंगी वह उनका उतना ही बेहतर तरीके से इस्तेमाल अपने हित में कर सकता है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क मात्र अपनी बात आम जनता तक पहुंचाने का एक जरिया ही नहीं है बल्कि क्षेत्र विशेष की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने में भी अपनी प्रभावी भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश में किसानों को लेकर हमें एक अलग तरह से प्रयास करने होंगे। किसानों के मुद्दे, उनकी समस्याएं, उनके फसलों की मार्केटिंग, उनके प्रबंधन को लेकर उन्हें बेहतर तरीके से समझा पाना संवाद का असली उद्देश्य होगा । श्री पाठराबे ने कहा कि जनसंपर्क का सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि हम अपने लक्ष्य समूह तक अपनी बात तो पहुंचाएं ही, साथ ही उसको हम अपने संवाद से कितना फायदा पहुंचा रहे हैं यह भी गौर करने वाली बात होगी। इसके पूर्व श्री पाठराबे ने पीआरसीआई की कार्य प्रणाली और देश में इस संगठन के कार्यकारी तंत्र के बारे में बताया। इसी कड़ी में पीआरसीआई के डायरेक्टर श्री हर्ष सुहालका ने कहा कि आज के समय में पीआरसीआई के समक्ष नई जिम्मेदारियां आ गई हैं। हमें अपनी पूरी विशेषज्ञता के साथ उन जिम्मेदारियां को उठाना होगा और बड़ी संख्या में अपने संवाद के माध्यम से उन्हें जोड़ना होगा । इस कार्यक्रम में वाद -विवाद प्रतियोगिता का दो सत्रों में आयोजन किया गया। कल और आज वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन के फलस्वरुप प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी के विजेताओं के साथ-साथ इस प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार श्री मृत्युंजय झा, द्वितीय पुरस्कार सुश्री अनन्या अवस्थी और तृतीय पुरस्करा अनन्या कुमारी को प्रदान किया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था सोशल मीडिया- अभिशाप या वरदान। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

3611 करोड़ से अधिक का होगा भोपाल नगर निगम का बजट

भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स 10 प्रतिशत बढ़ा, जल भी हुआ 15 प्रतिशत महंगा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे। गुरुवार को महापौर मालती राय ने नगर निगम का बजट पेश किया। एमआईसी मेंबर और पार्षदों के साथ सदन में पहुंचीं महापौर सफेद-नीले कलर के झोले में बजट की कॉपी लेकर पहुंचीं। उनके साथ निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी भी थे।इससे पहले बैठक में निगम कमिश्नर द्वारा पार्षद को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा गरमा गया। पार्षदों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। ऐसे में महापौर मालती राय ने भी कहा कि किसी पार्षद के खिलाफ शासन को प्रस्ताव भेजने से पहले एमआईसी या परिषद से चर्चा होनी चाहिए।बैठक में अधिकारियों के व्यवहार और फोन न उठाने की समस्या पर भी नाराजगी जाहिर की गई। बीजेपी पार्षद एक स्वास्थ्य अधिकारी पर भड़क गए। पार्षद पप्पू विलास घाड़गे ने कहा कि एएचओ ने पार्षद के साथ अभद्रता की है और उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

बजट में शहर को विकास की कई सौगात- महापौर

3611 करोड़ रुपए से अधिक का बजट आज हमने पेश किया है। शहर को विकास की सौगातें देने के लिए हमने कई प्रावधान किए हैं। इनमें शहर के सात प्रवेश द्वार, विसर्जन घाट सहित कई प्रस्तावों के लिए बजट रखा है। जल्द ही परिषद हॉल भी बनाया जाएगा। आरोप लगाने वाले सिर्फ आरोप लगाते रहते हैं। शहर की सड़कें टूट गई हैं, ऐसे आरोप लग रहे हैं। इस पर राय ने कहा कि पिछले साल भी राशि दी थी। इस साल भी सड़क और प्रॉपर्टी टैक्स के लिए राशि का प्रावधान किया है। नेता प्रतिपक्ष को इसे समझना चाहिए।

हंगामा करना कांग्रेस की आदत, टैक्स नियमों के अनुसार ही बढ़ाया- निगम अध्यक्ष

कांग्रेस पार्षदों द्वारा बजट पर चर्चा के दौरान हंगामा करने और टैक्स को लेकर कोर्ट जाने की बात पर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा, पहली बात तो ये कि कांग्रेस के मित्रों की हमेशा से सिर्फ हंगामा करने की आदत रही है। वो सार्थक चर्चा करना ही नहीं चाहते हैं। मैं माननीय महापौर जी को 3611 करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तुत करने के लिए बधाई देता हूं। जहां तक टैक्स बढ़ाने की बात है तो यह पूरी तरह से नगरीय निकायों की नियमावली और लगातार बढ़ी रही गाइड लाइन व अन्य बातों को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय है। कांग्रेस क जो मित्र कोर्ट जाने की बात कर रहे हैं, उन्हें नगरीय निकाय नियमावली की धारा 98 का अध्ययन करना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष बोलीं-टैक्स ब?ने के खिलाफ कोर्ट जाएंगे

प्रॉपर्टी टैक्स और जल कर में ब?तरी पर विपक्ष का हंगामा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि धारा 132 की उप धारा में प्रावधान है कि 31 मार्च के बाद कोई कर नहीं ब?ा सकते। फिर नगर निगम ऐसा क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की हिटलरशाही है। हम इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे। एमआईसी मेंबर को एक करोड़ रुपए की निधि देने के मुद्दे पर नगर निगम की बैठक में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेसी पार्षदों ने निधि देने का विरोध किया तो एमआईसी मेंबर और भाजपा पार्षद संपत्ति कर के आधार पर ही वार्डों में राशि देने की मांग करने लगे। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष अध्यक्ष की कुर्सी के सामने आ गए। कांग्रेसी पार्षदों ने अध्यक्ष की आसंदी घेर ली। वही दोनों पक्ष की तरफ से नारेबाजी की जा रही है। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई

300 से ज्यादा संस्थाओं को अनुदान देने का भी विरोध

बजट पर चर्चा के दौरान शहर की 300 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को अनुदान के रूप में लाखों रुपए दिए जाने का विरोध भी हुआ है। कांग्रेस के पार्षद मोहम्मद सरवर ने कहा कि कई संस्थाएं सक्रिय नहीं है। नगर निगम अपना पैसा सस्ता को क्यों दे रहा है।भोपाल नगर निगम के एमआईसी मेंबर को एक करोड़ रुपए का सालाना बजट देने का विपक्ष ने विरोध किया है। चार बार के पार्षद मोहम्मद सरवर ने कहा कि बजट में हमेशा महापौर, अध्यक्ष के लिए बजट का प्रावधान रहता था।लेकिन अब तो एमआईसी मेंबर को भी बजट दिया जा रहा है, ऐसा मैंने कभी नहीं देखा है।जैसे ही पार्षद सरवर ने विरोध जताया सभी 10 एमआईसी मेंबर विरोध में खड़े हो गए। मोहम्मद सरवर का कहना था कि एमआईसी मेंबर सिर्फ अपने वार्ड में ही राशि खर्च करते हैं, जबकि मेंबर्स का कहना था कि हम दूसरे वार्ड में भी राशि खर्च करते हैं। अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने दोनों पक्षों को समझा कर शांत करायाटैक्स बढ़ाने पर विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पर चर्चा के लिए कल सुबह 11 बजे तक सदन स्थगित कर दिया गया है।

सभी विधानसभाओं में बराबरी से बंटेगा बजट

महापौर मालती राय ने कहा कि बजट सभी विधानसभाओं में बराबरी से बंटेगा। महापौर ने कहा कि मैंने अपना बजट सदन के ऊपर छो? दिया है। हालांकि महापौर भाषण की बुकलेट में महापौर के लिए 10 करो? रुपए का प्रावधान रखा गया। बाद में एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने 10 करोरू रुपए का प्रावधान रखने का प्रस्ताव दिया। अध्यक्ष ने आसंदी ने कहा कि महापौर ने सदन पर अपनी निधि की बात छोड़ी थी। इसलिए सर्वसम्मति से 10 करो? रुपए का प्रस्ताव पास किया गया।

टैक्स बढ़ोतरी पर विपक्ष का हंगामा

प्रॉपर्टी टैक्स और जल कर में बढ़ोतरी पर विपक्ष का हंगामा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि धारा 132 की उप धारा में प्रावधान है कि 31 मार्च के बाद कोई कर नहीं बढ़ा सकते। फिर नगर निगम ऐसा क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की हिटलरशाही है। हम इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

भोपाल नगर निगम के बजट में प्रॉपर्टी-पानी पर टैक्स बढ़ाया

भोपाल नगर निगम के गुरुवार को पेश किए गए बजट में में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर टैक्स में 15 प्रतिशत की ब?तरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख जल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

3611 करोड़ से अधिक का होगा भोपाल नगर निगम का बजट

वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्नासी लाख पिचहत्तर हजार रुपए के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्नासी लाख पिचहत्तर हजार रुपए प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपए रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपए संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

बीजेपी पार्षद ने उठाया प्रॉपर्टी टैक्स में वसूली का मुद्दा

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पार्षद भार्गव के आरोप बीजेपी के पार्षद देवेंद्र भार्गव ने वार्डों में प्रॉपर्टी टैक्स में हो रही वसूली का मुद्दा उठाया। उन्होंने दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि आम लोगों से जोन प्रभारी लूट रहे हैं। पहले लाखों के नोटिस दिए जाते हैं। जब समझौता होता है तो आधी रात निगम के खाते में जमा होती है और बाकी अधिकारी रख लेते हैं।

उन्होंने कहा कि जोन प्रभारी अपर आयुक्त बनने का सपना देखते हैं

पार्षद देवेंद्र भार्गव ने उठाया 8 महीने तक फाइल अटकने का मुद्दा पार्षद देवेंद्र भार्गव ने खरीदी के एक मामले में कई अधिकारियों के हस्ताक्षर की फाइल एक ही दिन चलने और पार्षदों की फाइल 8 महीने तक अटकने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अधिकारी को कोई खरीदी या काम करना हो तो फाइल पर एक ही दिन में कई अधिकारियों के हस्ताक्षर हो जाते हैं, पर पार्षदों की नहीं सुनी जाती। पार्षद ने तंज कसते हुए भ्रष्टाचार से जुड़े कई किस्से भी सुनाए।

महापौर ने कमिश्नर से कहा, ऐसा प्रस्ताव भेजें तो पहले चर्चा करें

इस मुद्दे पर महापौर मालती राय ने निगम कमिश्नर से कहा कि यदि किसी पार्षद के खिलाफ शासन को कोई प्रस्ताव भेजना हो, तो पहले एमआईसी या परिषद से चर्चा करें। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी फोन नहीं उठाते, जो गलत है। पिछली बैठक में भी यह मुद्दा उठा था, बावजूद इसके उनका रवैया नहीं बदला।

एक से बढ़कर एक दमदार हैं सारे दावेदार

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश बीजेपी को नया अध्यक्ष नवरात्रि में मिल सकता है। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के चलते इस महीने के पहले पखवाड़े तक बाकी बचे राज्यों में बीजेपी प्रदेश अध्यक्षों के नाम का ऐलान कर देगी। जिससे माह के आखिर तक राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर छंटे बादल भी हटाए जा सके। अब सवाल ये है कि एमपी प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में जो नाम हैं उसमें किस नाम पर फाइनल मुहर लगेगी। कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि अपने चौंकाने वाले फैसलों के लिए जानी जाने वाली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर भी चौंका सकती है। मध्य प्रदेश बीजेपी को इस नवरात्रि में नया अध्यक्ष मिल सकता है, इसकी संभावनाएं बन रही है। जानकारी के मुताबिक लंबे समय से मध्य प्रदेश में टल रहा प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में हो सकता है। प्रदेश में जनवरी की शुरूआत के साथ ही नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा हो जानी

थी, जो टलते-टलते अप्रैल तक आ गई। लेकिन जानकार बता रहे हैं कि अब और देरी नहीं होगी। बीजेपी का स्थापना दिवस भी नवरात्रि के दौरान ही है। राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश भटनागर कहते हैं कि हालांकि ये चुनाव का समय नहीं है, लेकिन बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष के पहले भी पर्याप्त मंथन होता है। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय समीकरण सब पर ध्यान होता है। मध्य प्रदेश की गिनती बीजेपी संगठन के लिहाज से उन राज्यों में होती है, जो बीजेपी के आदर्श संगठन कहे जाते हैं। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से दिए गए कई कार्यक्रमों में बीजेपी ने हमेशा अव्वल प्रदर्शन किया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के सारे दावेदार हैं दमदार

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के मामले में इस बार पार्टी के सारे दमदार नेता दावेदार हैं। जिसमें सबसे आगे नाम हेमंत खंडेलवाल का है। पार्टी सूत्रों की मानें तो ये नाम लंबे समय से नंबर एक पर चल रहा है। फिर सामान्य वर्ग से जो दो नाम सर्वाधिक मजबूत हैं उनमें पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और डॉ. अरविंद भदौरिया का है। हालांकि जिस तरह से राजस्थान और एमपी में मुख्यमंत्री के नाम में बीजेपी ने चौंकाया था, वही प्रयोग प्रदेश अध्यक्ष के मामले में भी हो सकता है। जानकार कहते हैं कि बीजेपी जातिगत समीकरणों का भी पूरा ध्यान रखती है। सत्ता के मामले में पार्टी ने लगातार पिछड़ा वर्ग को एड्रेस किया है। उमा भारती से लेकर दिवंगत बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब डॉ. मोहन यादव सभी पिछड़ा वर्ग से हैं। अब प्रदेश अध्यक्ष के मामले भी पार्टी काफी मंथन के बाद उस नाम पर मुहर लगाएगी। अब ये नाम बाकी बचे वर्गों से हो सकता है, जिसमें सामान्य भी है और आदिवासी भी।

जूनियर इंजीनियर पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के साथ मीटर रीडर की सेवा समाप्त

प्रबंध संचालक ने उपभोक्ता कनेक्शनों की जॉंच के दौरान पकड़ी बिजली चोरी

दीनबन्धु ■ भोपाल /सीहोर www.dinbandhunews.com

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने गत बुधवार को सीहोर संभाग के अम्लाहा वितरण केंद्र अंतर्गत अनेक घरेलू और गैर घरेलू कनेक्शंनों की जॉच के दौरान हाईवे किनारे स्थित रेस्टॉरेंट में स्थानपित अस्था ई कनेक्शान का मीटर खराब पाए जाने पर वितरण केन्द्रन अम्ला हा के जूनियर इंजीनियर सत्योन्द्रल सिंह के विरूद्ध अनुशासनात्मेक कार्यवाही के साथ ही एक मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त करते हुए ब्लैयक लिस्ट् करने की कार्यवाही की है। निरीक्षण के दौरान निदेशक (वाणिज्यं) सुधीर कुमार श्रीवास्तलव, मुख्य। महाप्रबंधक भोपाल क्षेत्र अमृतपाल सिंह, महाप्रबंधक सीहोर वृत्तई सुधीर कुमार शर्मा, उप महाप्रबंधक सीहोर संभाग अमित राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने अम्लाहा कस्बे का भ्रमण कर घरेलू उपभोक्ता्ओं के परिसरों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठा्नों और दुकानों में लगे विद्युत कनेक्शनों की जॉच कर आवश्यनक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्हों ने कुछ कनेक्शठनों में अनियमितता पाए जाने पर अधिकारियों को विधिवत कार्यवाही करने के साथ ही नियमित रूप से चैकिंग करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने इस दौरान ग्राम धामंदा का निरीक्षण किया जहॉं अधिकतर घरेलू और व्यरवसायिक प्रतिष्ठाबनों में बिना मीटर के डायरेक्टम बिजली चोरी करते पाए जाने पर संबंधित उपयोगकर्ताओं के खिलाफ विद्युत अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्रबध संचालक ने इस दौरान सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए विद्युत के अवैध उपयोग पर रोकथाम लगाने के साथ ही जहां पर बिजली कनेक्शन उपलब्धे नहीं है वहां विधिवत प्रक्रिया पूर्ण करने पर वैध कनेक्शन उपलब्धथ कराने के निर्देश दिए।

आंकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को नीति आयोग से मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत खंडवा ज़लि ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने जिले के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये खंडवा जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़लि में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़लि कार्यक्रम के तहत इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर कार्यक्षमता में की गई वृद्धि

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि ज़लि में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़लि में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई। हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव किया गया सुनिश्चित ज़लि में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों को प्रसव सुविधा से सुसज्जित किया गया, जिससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) के तहत ज़लि की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं।

छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण और कुपोषित बच्चों की विशेष देखरेख

ज़लि में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की सघन कार्यवाही से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को किया सशक्त

जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुई। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया। नॉन-कम्युनिकेबल डिसीज़ (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच के लिए व्यापक अभियान चलाया गया, जिससे मरीजों का समय पर उपचार संभव हुआ।

स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में पुरस्कार राशि से किए जायेंगे विकास कार्य

कलेक्टर खंडवा श्री ऋषभ गुप्ता ने कहा कि नीति आयोग द्वारा प्राप्त 3 करोड़ रुपए की राशि को स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के चिन्हित क्षेत्रों में निवेश किया जाएगा, जिससे ज़लि के विकास को और गति मिलेगी।

शंकराचार्य धाम कॉलोनी के शंकर मंदिर से चोरों ने दान पेटी से की चोरी

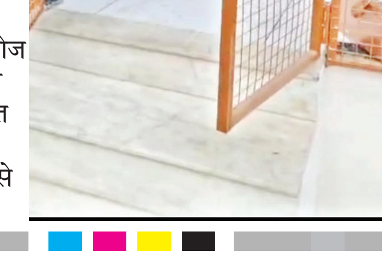

भोपाल। शंकराचार्य धाम कॉलोनी जेल रोड करोद में भगवान शंकर के मंदिर की दान पेटी में रखी राशि सुबह 6-00 बजे चोर उडा लें गये चोर चोरी करने के लिए भगवा कलर के कपड़े पहनकर मंदिर में आया था दान पेटी का ताला तोड़कर लगभग10,000 से अधिक की राशि चोरी करके ले गया पुलिस को सूचना दी गई शंकराचार्य धाम विकास कॉलोनी की समिति ने बिल्डर से गार्ड बदलने की मॉग की एवं कॉलोनी की सुरक्षा मजबुत बनाने को कहा गया कॉलोनी के राधेश्याम शर्मा, मनोज धावडिया, के .के मिश्रा, महादेव वाडेकर, राजकुमार मिश्रा ,हैमन्त मिश्रा, सीएल अहिरवार ने चौरी घटनाओ को रोकने की पुलीस से माग की है

संपादकीय

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वहीं संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट,ज छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की ह्यराष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिकाह्न को रेखांकित करके अपनी ह्य2047 तक विकसित भारतह्न की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दशार्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी संघ को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने ह्यसमर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा। निश्चित ही संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर-राजनीतिक संगठन है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा उसका मूल उद्देश्य है। संघ की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी।

कर्मफल दाता शनि अपने कर्मों के अनुसार फल देंगे

डॉ. प्रीति वाघमारे

शनि देव को अक्सर कर्मफलदाता कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि वह हमारे कर्मों के अनुसार हमें फल देते है। लेकिन यह भी सच है कि शनि देव हमें अपने कर्मों को सुधारने का अवसर भी प्रदान करते है।

शनि देव की शिक्षा: शनि देव हमें कई महत्वपूर्ण सबक सिखाते है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- **जिम्मेदारी:** शनि देव हमें जिम्मेदारी की महत्ता सिखाते है। वह हमें सिखाते है कि हमें अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार होना चाहिए। हमें अपने कर्मों के परिणामों को स्वीकार करना चाहिए और उनसे सीखना चाहिए।
- सहनशीलता: शनि देव हमें सहनशीलता की महत्ता सिखाते है। वह हमें सिखाते है कि हमें अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों को सहन करना चाहिए। हमें अपने जीवन में आने वाली समस्याओं का सामना करना चाहिए और उनसे सीखना चाहिए।
- कड़ी मेहनत: शनि देव हमें कड़ी मेहनत की महत्ता सिखाते है। वह हमें सिखाते है कि हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करना चाहिए।
- न्याय: शनि देव हमें न्याय की महत्ता सिखाते है। वह हमें सिखाते है कि हमें अपने जीवन में न्याय के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हमें अपने कर्मों में न्याय की भावना को शामिल करना चाहिए।

शनि देव के समक्ष अपने कर्मों को सुधारना

शनि देव के समक्ष अपने कर्मों को सुधारने के लिए, हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

- अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार हों: हमें अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार होना चाहिए और उनके परिणामों को स्वीकार करना चाहिए।
- सहनशीलता रखें: हमें अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों को सहन करना चाहिए और उनसे सीखना चाहिए।
- कड़ी मेहनत करें: हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करना चाहिए।
- न्याय के सिद्धांतों का पालन करें: हमें अपने जीवन में न्याय के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए और अपने कामों में न्याय की भावना को शामिल करना चाहिए।
- अपने कर्मों का विश्लेषण करें: हमें अपने कर्मों का विश्लेषण करना चाहिए और उनमें सुधार करना चाहिए।
- अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें: हमें अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना चाहिए और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए ।

शनि की साढ़े साती और शनि के परिवर्तन (29 हूँ 2025) के प्रभावः क्या करें और क्या न करें सभी 12 राशियों के लिए शनि की साढ़े साती के अंतिम चरण और शनि के परिवर्तन के प्रभाव मेष राशि (21 मार्च - 19 अप्रैल)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: आर्थिक समस्याएं, स्वास्थ्य समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

वृषभ राशि (20 अप्रैल - 20 मई)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: स्वास्थ्य समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां
- शनि का परिवर्तन: आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत विकास

मिथुन राशि (21 मई - 20 जून)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

कर्क राशि (21 जून - 22 जुलाई)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याएं
- शनि का परिवर्तन: आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत विकास

सिंह राशि (23 जुलाई - 22 अगस्त)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: स्वास्थ्य समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

कन्या राशि (23 अगस्त - 22 सितंबर)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव
- शनि का परिवर्तन: आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत विकास

तुला राशि (23 सितंबर-22 अक्टूबर)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याएं
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

वृश्चिक राशि (23 अक्टूबर-21 नवंबर)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: स्वास्थ्य समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां
- शनि का परिवर्तन: आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत विकास

धनु राशि (22 नवंबर - 21 दिसंबर)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

मकर राशि (22 दिसंबर - 19 जनवरी)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याएं
- शनि का परिवर्तन: केरियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

कुंभ राशि (20 जनवरी - 18 फरवरी)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: आर्थिक समस्याएं, स्वास्थ्य समस्याएं, रिश्तों में समस्याएं
- शनि का परिवर्तन: करियर में सफलता, आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा

मीन राशि (19 फरवरी - 20 मार्च)

- शनि की साढ़े साती का अंतिम चरण: रिश्तों में समस्याएं, करियर में चुनौतियां, मानसिक तनाव
- शनि का परिवर्तन: आर्थिक लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत विकास यह ध्यान रखें कि ये सिर्फ सामान्य भविष्यवाणियां हैं और व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर परिणाम अलग-अलग हो सकते हैं।

समस्याएं जिनका सामना करना पड़ सकता है

- आर्थिक समस्याएं
- स्वास्थ्य समस्याएं
- रिश्तों में समस्याएं
- करियर में चुनौतियां
- मानसिक तनाव

विशेष ध्यान रखने वाली राशियाँ

- मेष राशि (21 मार्च - 19 अप्रैल)
- वृषभ राशि (20 अप्रैल - 20 मई)
- सिंह राशि (23 जुलाई - 22 अगस्त)
- कन्या राशि (23 अगस्त - 22 सितंबर)
- मकर राशि (22 दिसंबर - 19 जनवरी)
- कुंभ राशि (20 जनवरी - 18 फरवरी)
- मीन राशि (19 फरवरी - 20 मार्च)

समाधान:

- अपने आर्थिक मामलों में अधिक ध्यान रखें।
- अपने स्वास्थ्य में अधिक ध्यान रखें।
- अपने रिश्तों में अधिक ध्यान रखें।
- अपने करियर में अधिक ध्यान रखें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य में अधिक ध्यान रखें।
- अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।
- योग और ध्यान करें।
- संगीत सुनें।
- प्रकृति के साथ समय बिताएं।

विशेष उपायः-

शनि देव की पूजा:

- शनि देव की पूजा करें: शनि देव की पूजा करने से हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है।
- शनि मंदिर में जाएं: शनि मंदिर में जाने से हमें शनि देव के आशीर्वाद को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- शनि देव के मंत्रों का जाप करें: शनि के मंत्रों का जाप करने से हमें शनि देव के आशीर्वाद को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

शनि देव के गुणों को अपनाएं

- शनि देव के गुणों को अपनाएं: शनि देव के गुणों को अपनाने से हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है।
- न्यायप्रिय बनें: शनि देव न्यायप्रिय हैं, इसलिए हमें भी न्यायप्रिय बनना चाहिए।
- जिम्मेदार बनें: शनि देव जिम्मेदार हैं, इसलिए हमें भी जिम्मेदार बनना चाहिए।
- सहनशील बनें: शनि देव सहनशील हैं, इसलिए हमें भी सहनशील बनना चाहिए।

शनि देव के दिन का पालन या उपवास करें

- शनिवार का पालन या उपवास करें: शनिवार शनि देव का दिन है, इसलिए हमें इस दिन का पालन या उपवास करना चाहिए।
- शनिवार को शनि देव की पूजा करें: शनिवार को शनि देव की पूजा करने से हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है।
- शनिवार को शनि देव के मंत्रों का जाप करें: शनिवार को शनिदेव के मंत्रों का जाप करने से हमें शनि देव के आशीर्वाद को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। शनि देव को न्याय के देवता के रूप में जाना जाता है, और वह अपने न्याय के अनुसार सजा देते हैं। यहाँ कुछ कारण हैं जिनके लिए शनि देव सजा दे सकते हैं:

अन्याय

- अन्याय करना: शनि देव अन्याय करने वालों को सजा देते हैं।
- न्याय का उल्लंघन करना: शनि देव न्याय का उल्लंघन करने वालों को सजा देते हैं।

अधर्म

- अधर्म करना: शनि देव अधर्म करने वालों को सजा देते हैं।
- धर्म का उल्लंघन करना: शनि देव धर्म का उल्लंघन करने वालों को सजा देते हैं।

असत्य

- असत्य बोलना: शनि देव असत्य बोलने वालों को सजा देते हैं।
- झूठा होना: शनि देव झूठा होने वालों को सजा देते हैं।

अनाचार

- अनाचार करना: शनि देव अनाचार करने वालों को सजा देते हैं।
- अनैतिक होना: शनि देव अनैतिक होने वालों को सजा देते हैं।

अन्य:

- अपने कर्तव्यों का पालन न करना: शनि देव अपने कर्तव्यों का पालन न करने वालों को सजा देते हैं।
- अपने जीवन में अनुशासन का अभाव होना: शनि देव अपने जीवन में अनुशासन का अभाव होने वालों को सजा देते हैं। यह ध्यान रखें कि शनि देव की सजा हमेशा न्यायपूर्ण होती है, और वह केवल उन्हें सजा देते हैं जो वास्तव में गलत होते हैं। शनि देव की कृपा प्राप्त करने और उनकी सजा से बचने के लिए, यहाँ कुछ मंत्र और उपाय दिए गए हैं।

मंत्र:: शनि मंत्र: ॐ शं शनैश्चराय नमः

- शनि बीज मंत्र: ॐ प्रां शनैश्चराय नमः
- शनि गायत्री मंत्र: ॐ शनैश्चराय विद्महे सूर्य पुत्राय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोदयात

उपाय

- शनि पूजा: शनिवार को शनि देव की पूजा करें और उन्हें तिल, तेल, और उड़द दाल का भोग लगाएं।
- शनि मंदिर में जाना: शनिवार को शनि मंदिर में जाएं और शनि देव की पूजा करें।
- शनि के मंत्रों का जाप: शनिवार को शनि के मंत्रों का जाप करें और शनि देव की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करें।
- शनि यंत्र: शनि यंत्र की पूजा करें और उसे अपने घर में स्थापित करें।
- शनि रत्न: शनि रत्न को धारण करें और शनि देव की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करें।

अन्य उपाय

- शनिवार को काले वस्त्र पहनें: शनिवार को काले वस्त्र पहनने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है।
- शनिवार को तिल का दान करें: शनिवार को तिल का दान करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है।
- शनिवार को उड़द दाल का दान करें: शनिवार को उड़द दाल का दान करने से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है।

- शनि देव की कृपा प्राप्त करने और उनकी सजा से बचने के लिए कुछ रत्न भी हैं:

शनि रत्न

- नीलम: नीलम शनि देव का प्रतिनिधित्व करने वाला रत्न है। यह रत्न शनि देव की कृपा प्राप्त करने में मदद करता है।
- नीली पुखराज: नीली पुखराज भी शनि देव का प्रतिनिधित्व करने वाला रत्न है। यह रत्न शनि देव की कृपा प्राप्त करने में मदद करता है।
- काला हकीक: काला हकीक शनि देव का प्रतिनिधित्व करने वाला रत्न है। यह रत्न शनि देव की कृपा प्राप्त करने में मदद करता है।

शनि रत्न के लाभ

- शनि की कृपा प्राप्त करने में मदद मिलती है
- शनि की सजा से बचने में मदद मिलती है
- जीवन में सुख, समृद्धि, और शांति प्राप्त होती है
- करियर और व्यवसाय में सफलता प्राप्त होती है
- स्वास्थ्य और धन की समस्याएं दूर होती हैं

शनि रत्न को धारण करने के नियमः

- शनि रत्न को शनिवार के दिन धारण करें
- शनि रत्न को धारण करने के बाद शनि देव की पूजा करें और उनकी कृपा के लिए प्रार्थना करें यह ध्यान रखें कि ये सिर्फ सामान्य सुझाव हैं।

वक़्फ संशोधनः मुस्लिम समुदाय के कल्याण हेतु पारदर्शी और जवाबदेह प्रबंधन के लिए आह्वान

हाजी सैयद सलमान चिश्ती

भारत के धार्मिक और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के सामाजिक और बेहद विविध ताने-बाने में, वक़्फ एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्था है, लेकिन यह अब तक पूर्ण क्षमता का उपयोग नहीं कर पाई है। इस्लामी आध्यात्मिक परंपरा में गहराई से समाई हुई यह वैधानिक इकाई भारत में मुस्लिम समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को बदलने की क्षमता रखती है। हालांकि, अपनी समृद्ध विरासत और विशाल भूमि संपत्तियों के बावजूद, वक़्फ अक्षमताओं, कुप्रबंधन और पारदर्शिता की कमी की वजह से पिछड़ गया है। यह वास्तव में विरोधाभासी है कि भारत में तीसरी सबसे बड़ी भूमि स्वामित्व वाली इकाई के रूप में वक़्फ एक ऐसे समुदाय की देखरेख करता है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के मुद्दों से जूझ रहा है। सदियों पहले स्थापित वक़्फ का मूल उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के लिए स्कूल, अस्पताल, पुस्तकालय और अन्य परोपकारी संस्थानों की स्थापना और देखरेख करना था। यह चिंता का विषय है कि इतना विशाल संसाधन आधार होने के बावजूद इन्हें समुदाय के कल्याण के लिए प्रभावी रूप से उपयोग में नहीं लाया जा रहा है। प्रस्तावित उम्मीद वक़्फ विधेयक संशोधन का उद्देश्य वक़्फ को परेशान करने वाले कुछ पुराने मुद्दों को संबोधित करना है। ये सुधार अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि मुस्लिम समुदाय में व्यापक रूप से यह सहमति बन चुकी है कि वक़्फ संपत्तियों का दुरुपयोग हुआ है। कई मुतवल्ली (संरक्षक), जो जिम्मेदारी निभाने योग्य नहीं हैं, इन संपत्तियों के कुप्रबंधन के जिम्मेदार रहे हैं। वक़्फ बोर्ड की अक्षमताओं के कारण इन संपत्तियों का सर्वोत्तम उपयोग नहीं हो पाया है। वक़्फ की वर्तमान स्थिति भारत में मुस्लिम समुदाय के सामने आने वाली व्यापक चुनौतियों का प्रतिबिंब है। वक़्फ संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता की कमी ने अक्षमताओं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। मौजूदा वक़्फ व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या वक़्फ के स्वामित्व वाली संपत्तियों के लिए अप्रचलित किराया नीति है। इनमें से कई संपत्तियां दशकों पहले तय की गई दरों पर किराए पर दी गई हैं, अक्सर 1950 के दशक तक। न केवल ये किराए आज के बाजार दर से बेहद कम हैं, बल्कि यह मामूली किराया भी नियमित रूप से नहीं वसूला जाता है। यह स्थिति वक़्फ संपत्तियों की अवैध बिक्री और बरबादी के आरोपों से और भी जटिल हो गई है, जिसने संभावित राजस्व को काफी हद तक नष्ट कर दिया है और जिसका उपयोग सामुदायिक कल्याण के लिए किया जा सकता था। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण जयपुर शहर का सबसे केंद्रीय और प्रसिद्ध शॉपिंग स्ट्रीट है, जिसे एमआई रोड के रूप में जाना जाता है और जो सांगानेरी गेट से गवर्नमेंट हॉस्टल तक जाता है। बहुत से लोग नहीं जानते होंगे कि एमआई का मतलब मिर्जा इस्माइल रोड है। जयपुर में एमआई रोड पर स्थित कुछ संपत्तियां सामुदायिक और धार्मिक कार्यों के लिए वक़्फ बोर्ड को दान कर दी गई हैं। बोर्ड इन संपत्तियों को किराए पर दे सकता है, लेकिन किसी को बेच नहीं सकता। एमआई रोड पर 100 वर्ग फीट से लेकर 400 वर्ग फीट तक की कई ऐसी व्यावसायिक संपत्तियां हैं, जिनका किराया 300 रुपये प्रति माह है, किराया नीति अद्यतन होने पर इनका किराया करीब 25,000 रुपये प्रति माह हो जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश के हर राज्य में ऐसी हजारों संपत्तियां हैं, जिनका उचित उपयोग नहीं किया जा रहा है। सच्चर समिति की 2006 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि वक़्फ अपनी संपत्तियों से सालाना 12,000 करोड़ रुपये की आय का सृजन कर सकता है। हालांकि, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षणों से अब पता चलता है कि वक़्फ संपत्तियों की वास्तविक संख्या 8.72 लाख से अधिक है। आज, मुद्रास्फीति और संशोधित अनुमानों को ध्यान में रखते हुए, संभावित आय सालाना 20,000 करोड़ रुपये तक हो सकती है। फिर भी, वास्तविक राजस्व 200 करोड़ रुपये ही है - जो पेशेवर और पारदर्शी प्रबंधन के साथ प्राप्त की जा सकने वाली आय का एक अंश है।

ज्ञान का महत्व

ज्ञान को समझने के लिए हमारा एक जीवन ही काफी नहीं है अध्यात्म हमारे जीवन की कड़ी है ज्ञान का सागर तो अथाह है जिसे हम जितना खोजें उतना बढ़ता जाता है और सिर्फ बढ़ता ही नहीं है बल्कि हमें उसकी और ज्यादा उत्सुकता होती जाती है खुद की खोज करने के लिए हम ज्ञान को परिभाषित कर सकते हैं प्रमाणिक ज्ञान ,आध्यात्मिक ज्ञान और व्यवहारिक ज्ञान प्रमाणिक ज्ञान विज्ञान होता है जिसकी सच्चाई पृथ्वी पर मौजूद तत्वों से मिलती है और बात करें आध्यात्मिक की तो यह ज्ञान जीवन की आत्मा से संबंधित होता है ऐसा भी कहा जा सकता है कि यह ब्रह्मांड से भी परे है इसका अध्ययन करना मोक्ष को प्राप्त करना होता है जिसमें जीवन की संतुष्टि होती है यह स्वयं के अंदर से निकलने वाली ज्ञान की प्राप्ति होती है इस के लिए साधना विधियां उपयोगी होती हैं जो स्वयं के अंदर से निकली निकलती है और बनाई जाती हैं अध्यात्म किसी जाति धर्म या समुदाय का नहीं होता है आध्यात्म किसी भी आत्मा से निकल सकता है इसकी खोज करना आवश्यक है जिसमें एक आलौकिक प्रकाश पुंज अपने ह्रदय में मनुष्य को महसूस होता है इसे ही आत्मज्ञान कहा जाता है व्यवहारिक ज्ञान एक ऐसा ज्ञान होता है जिसे सीखा जा सकता है विभिन्न स्थितियों और संदर्भों के अंतर्गत और दिन प्रतिदिन के अनुभव से प्राप्त होता है यह वास्तविक जीवन के प्रयासों और कार्यों पर आधारित होता है

पूजा नितेश दुबे, टैरो कार्ड रीडर एंड न्यूरोलॉजिस्ट कोलार दानिश हिल्स व्यू

4 अप्रैल 1858 सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी झलकारीबाई का बलिदान

रानी लक्ष्मीबाई को सुरक्षित निकाला, स्वाभिमान और स्वराष्ट्र के लिये जीवन समर्पित

रमेश शर्मा

भारत राष्ट्र के स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा केलिये हुये असंख्य बलिदानों में झलकारी बाई का भी एक ऐसा नाम है जिनका संघर्ष स्वयं के लिये नहीं था । न तो स्वयं के लिये राज्य प्राप्ति की चाह थी और न अपना कोई हित । पर उन्होंने संघर्ष किया और जीवन की अंतिम श्वांस तक किया । वे जानतीं थीं कि उनके संघर्ष का अंत विजय नही है अपितु जीवन का बलिदान है । फिर भी उन्होंने प्राणपण का संघर्ष किया और रानी लक्ष्मीबाई सुरक्षित कालपी पहुँचाया । ऐसी वीरांगना झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर 1830 को झांसी के पास ही भोजला गाँव में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह झाँसी दरबार की सेवा में राजा के निजी अंगरक्षकों में एक विश्वस्त सिपाही थे । और माता जमुना देवी धार्मिक विचारों की एक सामान्य गृहणी थीं । वे दो भाइयों के बीच एक बहन थीं । एक भाई बड़े थे एक उनसे छोटे ।जब झलकारी बालवय में थीं तब ही माता का देहान्त हो गया था । दो भाइयों के बीच उनकी परवरिश एक लड़के की तरह हुई । उन्होने घुड़सवारी और विभिन्न हथियारों चलाने का अभ्यास उन्होंने बचपन से किया था था। झलकारी बचपन से ही बहुत साहसी और दृढ़ प्रतिज्ञ बालिका थी। इसलिये उनकी गणना एक कुशल यौद्धा के रूप में होने लगी थी । झलकारी घर के काम के अलावा पशुओं का रख-रखाव और जंगल से लकड़ी इकट्ठा करने का काम भी करती थीं। उन्होने अपने जैसी साहसी किशोरियों की एक टोली बना ली थी । यह सब दरबार के सिपाहियों और उनके परिजनों की बेटियाँ थीं। एक बार जंगल में उसकी मुठभेड़ तेंदुए से हो गयी थी तो झलकारी ने अपनी कुल्हाड़ी

से ही उस तेंदुए को मार डाला था। एक अन्य अवसर पर जब डकैतों का एक गिरोह ने गाँव में घुसा तब झलकारी ने अपनी टोली के साथ उनका मुकाबला किया और डकैतों को पीछे हटने और भागने पर विवश कर दिया था। उनकी इस बहादुरी से खुश होकर दरवार में सम्मानित किया गया । आगे चलकर उनका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के एक सैनिक पूरन कोरी से हो गया । पूरन भी बहुत बहादुर था और राजा का विश्वास पात्र भी । इस नाते झलकारीबाई का परिचय रानी लक्ष्मीबाई से हो गया । झलकारीबाई कद काठी में बिल्कुल रानी जैसी थी । रानी ने झलकारीबाई की बहादुरी के प्रसंग सुने थे । कद काठी से भी प्रभावित हुईं। यद्यपि झलकारीबाई रानी लक्ष्मीबाई से आयु में दो वर्ष छोटी थीं पर उनके चेहरे की बनावट और कदकाठी बिल्कुल रानी की भाँति थी । इसलिए उनके प्रति रानी का आकर्षण बढ़ा और वे रानी की विश्वस्त बन गईं समय के साथ रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी सैन्य शक्ति में बढ़ौत्री की और रानी ने झलकारी को दुर्गा सेना संगठित करने का आदेश दिया। झलकारीबाई ने काम आगे बढ़ाया। महिलाओं को आत्मरक्षार्थ तलवार चलाना, बंदूक चलाना सिखाया कुछ को तोप चलाने का भी प्रशिक्षण दिया। यह वह समय था जब झांसी की सेना को किसी भी ब्रिटिश दुस्साहस का सामना करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा था। उन दिनों डलहौजी भारत का वायसराय था । वह देशी रियासतों को हड़प कर सीधे अंग्रेजी राज्य का शिकंजा कस रहा था । उसकी इस हड़पने की नीति के चलते, ब्रिटिश राजा से निःसंतान लक्ष्मीबाई को उत्तराधिकारी गोद लेने की अनुमति नहीं मिली । क्योंकि वे ऐसा करके रियासतों को सीधे अपने नियंत्रण में लेना चाहते थे। ब्रिटिश सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में रानी ने कमरकसी और पूरे राज्य की सेना, सभी सेनानायक और झांसी के लोग रानी के साथ लामबंद हो गये और उन्होने आत्मसमर्पण करने के बजाय हथियार उठाकर युद्ध करने का संकल्प लिया। अंग्रेज सेना ने फरवरी 1958 में किले की घेराबंदी की । यह घेरा लगभग दो माह चला । मार्च के अंत में दक्षिण द्वार के द्वारपाल दूल्हाजू को अंग्रेजों ने तोड़ लिया उसने 31 मार्च की रात द्वार खोल दिया । किले के भीतर भयानक युद्ध आरंभ हो गया । 1 अप्रैल 1858 तक रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी के किले के भीतर से, अपनी सेना का नेतृत्व किया और ब्रिटिश और उनके स्थानीय सहयोगियों द्वारा किये कई हमलों को असफल कर दिया था पर अब दूल्हेराव के विश्वासघात से स्थिति बदल गई थी । किले का एक संरक्षित द्वार ब्रिटिश सेना के लिए खुल गया था । अब किले का पतन निश्चित हो गया था । तब रानी के सेनापतियों और झलकारी बाई ने उन्हें कुछ सैनिकों के साथ किला छोड़कर सुरक्षित निकल जाने की सलाह दी। रानी ने अपना वेष बदला और अपने दत्तक पुत्र तथा कुछ विश्वस्त सैनिकों के साथ लेकर झांसी से सुरक्षित निकल गईं और कालपी की ओर चल दीं । झलकारीबाई ने रानी का वेश धारण किया और रानी की भाँति ही युद्ध करने लगीं। अंग्रेज सेना को भनक तक न लगी कि रानी सुरक्षित निकल गईं। रानी के निकलते ही झलकारी बाई के पति पूरन ने किले की दीवार से तेज गोलाबारी शुरू कर दी और किले की रक्षा करते हुए बलिदान हो गया लेकिन झलकारीबाई ने अपने पति की मृत्यु का शोक मनाने की बजाय युद्ध और तेज कर दिया । झलकारीबाई तो रानी लक्ष्मीबाई की तरह कपड़े पहने थीं और रानी की भाँति ही सेना का संचालन कर रहीं थीं। जो सेना किले के भीतर घुसी उसमें ह्यूरोज नहीं था । झलकारीबाई के आदेश पर किले के सभी दरवाजे खोल दिये गये झलकारीबाई किले से बाहर निकलीं और ब्रिटिश जनरल ह्यूरोज के शिविर पर टूट पड़ीं। जनरल ह्यूरोज जो उन्हे रानी ही समझ रहा था । भीषण युद्ध हुआ । अंततः इस निर्णायक युद्ध के दौरान झलकारीबाई वीरगति को प्राप्त हुईं। इस प्रकार चार दिनों तक झलकारीबाई ने रानी के वेश में युद्ध किया । इन चार दिनों में रानी लक्ष्मीबाई सुरक्षित कालपी पहुँच गई थीं। झाँसी किले का पतन झलकारी बाई के बलिदान के बाद 4 अप्रैल 1858 को हुआ । ह्यूरोज 5 अप्रैल को किले में प्रविष्ट हुआ । लूट का आदेश दिया । जो लोग वंदी बनाये गये उनका कत्लेआम हुआ । झांसी का किला लगभग अभेद्य था। यदि विश्वासघात न होता तो शायद किले का पतन न होता । झलकारी बाई की वीरगाथा पर इतिहासकारों की कलम कम चली पर बुंदेलखंड की लोकगाथाओं और लोकगीतों में वे अमर हैं।

अष्टमी-नवमी तिथि पर करें कन्या पूजन 5 -6 अप्रैल को होगा कन्या पूजन

नवरात्रि में कन्या पूजन से मिलेगी परेशानियों से मुक्ति

(ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा)

चैत्र नवरात्रि पर्व की शुरूआत 30 मार्च से सर्वार्थसिद्धि योग में हुई और नवरात्रि 6 अप्रैल तक रहेंगे। चैत्र नवरात्रि की धूम पूरे देश में है। माता की भक्ति में लीन भक्तों को अब अष्टमी और रामनवमी का इंतजार है। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी 5 अप्रैल और रामनवमी 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। अष्टमी और रामनवमी पर कन्याओं को भोजन कराया जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्र 30 मार्च से शुरू हो गई है। वहीं इसका समापन 6 अप्रैल को होगा। नवरात्र के दौरान अलग-अलग दिनों में देवी दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में अष्टमी और नवमी तिथि सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। नवरात्रि के अष्टमी और नवमी तिथि कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। व्रत रखने वाले भक्त कन्याओं को भोजन कराने के बाद ही अपना व्रत खोलते हैं। कन्याओं को देवी मां का स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन कन्याओं को भोजन कराने से घर में सुख, शांति एवं सम्पन्नता आती है। कन्या भोज के दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नही होती और उसका जीवन उन्नतशील रहता है। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करके उन्हें भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक उम्र की नौ कन्याओं को भोजन कराने से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोज और पूजन करें। कन्या भोजन न करवा पाएं तो भोजन बनाने का कच्चा सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हें भेंट कर सकते हैं।

कन्या पूजन महाष्टमी और रामनवमी: ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन या कुमारी पूजा, महाष्टमी और रामनवमी दोनों ही तिथियों को किया जाएगा। महाष्टमी को मां महागौरी और रामनवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। जिन घरों में महाष्टमी और महानवमी की पूजा होती है, वहां इस दिन कन्याओं को भोजन करवाया जाता है और उन्हें गिप्ट बांटे जाते हैं।

पुराणों में है कन्या भोज का महत्व: पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कौमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोज के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं।

कन्या और देवी के शस्त्रों की पूजा: अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

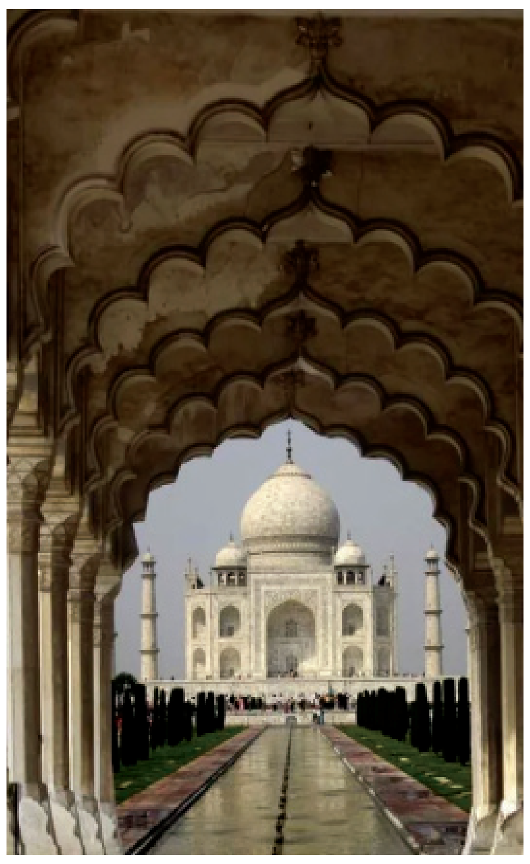

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनवाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

आजादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ पहुंचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, चौपाल में सुनीं समस्याएं

सुकमा

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा के कोर इलाके रायगुड़ेम गांव पहुंचकर जन चौपाल लगाई और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुना व समाधान का भरोसा दिया। आज़ादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ रायगुड़म पहुंच कर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई।

दरअसल, सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुर नक्सल प्रभावित रायगुड़म वह इलाका है, जहां नक्सलियों ने इसके सभी मार्ग को बंद कर लम्बे समय तक अपने कब्जे में रखा था। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को रायगुड़ेम तक पहुंचने के लिए नक्सलियों के गढ़ में हेलीपेड से उतरने के बाद बाइक का सफर तय करना पड़ा। यहां रायगुड़म में उपमुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओंको सुना और उन्हें सरकार की ओर से समाधान करने का भरोसा दिया। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री के दौरा को देखते हुए रायगुड़ेम इलाके में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस दौरान रायगुड़म में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. एवं सुकमा एसपी किरण चौहान और बड़ी संख्या में पुलिस व सुरक्षाबल तैनात रहे। इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का यह कोर इलाका लंबे समय तक नक्सलियों के कब्जे में रहा था। जहां उनकी इजाजत के बगैर कोई नहीं जा सकता था। क्षेत्र के हालात इतने बदतर हो गए थे कि यहां तैनात जवानों के लिए सड़क मार्ग से राशन पहुंचाने के दौरान नक्सली हमला कर राशन लूट लेते थे। इसके बाद लम्बे अरसे तक यहां के जवानों के लिए हेलीकाप्टर से राशन की आपूर्ति की जाती रही। उल्लेखनीय है कि 5 अप्रैल को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कार्यक्रम है। वे दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

काठमांडू हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र का इनकार

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू बीते शुक्रवार को राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिवालय ने इनकार कर दिया है। सचिवालय ने गुरुवार को शाह के हवाले से जारी बयान में आरोप लगाया है कि इस दुखद घटना के लिए सरकार की कमियां और कमजोरी जिम्मेदार हैं। सचिवालय के संवाद सचिव फनिराज पाठक ने बयान में कहा कि निर्मल निवास और पूर्व राजा के समर्थक प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट की जिम्मेदारी नहीं लेंगे। पाठक ने दावा किया कि 28 मार्च को तिनकुने क्षेत्र में हुई तोड़फोड़, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को जिम्मेदार ठहरा कर ओली सरकार अपनी कमजोरी छुपाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ओली ने संसद में इस घटना के लिए सीधे-सीधे पूर्व राजा को दोषी बताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। उल्लेखनीय है यह प्रदर्शन पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के 87 वर्षीय कट्टर समर्थक नवरज सुबेदी के नेतृत्व में संयुक्त जनसंघर्ष समिति ने किया था।सुवेदी ने दावा किया था कि उनको पूर्व राजा ने ही इस समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा था। शुक्रवार की घटना के बाद से ही सुवेदी को नजरबंद कर दिया गया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव, आइसोलेशन में रखा गया

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। उनके चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन ने इसकी पुष्टि की। डॉ. हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति को एक निजी अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा देखभाल मिल रही है। राष्ट्रपति के किसी से भी मिलने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। डॉ. असीम हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति जरदारी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और उनके स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करने के लिए कई परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सा दल उनकी स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रपति जरदारी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के बाद नवाबशाह से कराची के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील मेमन ने कहा कि राष्ट्रपति के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

वक्फ संशोधन विधेयक-2025 में सुधार कम, संशय ज्यादा है: अभिषेक मनु सिंघवी

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस बिल में सुधार कम और संशय ज़्यादा है। न्याय कम और पक्षपात ज़्यादा है। संविधान ने जो दिया, यह बिल वह छीनने की कोशिश कर रहा है। इसको संशोधन कम, साज़िश ज़्यादा कहा जाना चाहिए। जब क़ानून बराबरी का ना हो तो वह सत्ता की चालाकी बन जाता है। यह क़ानून नहीं, क़ानूनी भाषा में लिपटी हुई मनमानी है। उन्होंने कहा कि बिल के क्लॉज 11 के तहत शत-प्रतिशत सदस्य प्रादेशिक वक़्फ़ बोर्ड के ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनको प्रदेश सरकार नियुक्त या नामित करेगी यानी चुनाव नहीं होगा। ऐसे में धर्म और समुदाय को अपने वर्गों को चुनने का क्या अधिकार क्षेत्र बचा वक़्फ़ बोर्ड में ग्यारह में से न्यूनतम सिर्फ़ तीन मुसलमान होने चाहिए। यानी 11 में से 8 ग़ैर मुसलमान हो सकते हैं। अनुच्छेद 26 का कौन सा स्वायत्तता का हक़ आपने समुदाय के साथ छोड़ा जहां तक वक़्फ़ कौंसिल का सवाल है, ग़नीमत है कि 22 में से कम से कम 12 मुसलमान होने चाहिए। अनुच्छेद 25 और 26 अपने धर्म के लोगों को अपनी संस्थाएं खुद चलाने का हक़ देता है। इस बिल के क्लॉज 14 द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष को अविश्वास मत द्वारा हटाने का अधिकार अब हटा दिया गया है। ऐसे में क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया बची, क्या स्वायत्ता बची बचा तो सिर्फ़ सरकारी नियंत्रण।

उत्तर रेलवे के विद्युत विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 417 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण किया

नई दिल्ली

उत्तर रेलवे के विद्युत विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 417 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण करने सहित अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके साथ ही उत्तर रेलवे शत प्रतिशत विद्युतीकृत रेलवे बन गया है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 171.4 रनिंग ट्रैक किलोमीटर (आरटीके) अर्थात 417 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) का विद्युतीकरण किया गया। इसमें मेहम-हांसी-रोहतक सेक्शन तथा कश्मीर घाटी में कटरा-बनिहाल सेक्शन का विद्युतीकरण शामिल है।

उन्होंने बताया कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) के इस महत्वपूर्ण सेक्शन पर वायु गुणवत्ता सेंसर, वायु वेग सेंसर, जेट फैन, अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ रियल-टाइम टनल वेंटिलेशन प्रणाली, टनल लाइटिंग, आपातकालीन निकासी संकेत प्रणाली, अग्नि पहचान एवं दमन प्रणाली जैसी तकनीकें स्थापित की गई है। महाप्रबंधक ने कहा कि इस प्रतिष्ठित सेक्शन के कटरा-बनिहाल सेक्शन का विद्युतीकरण भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस सेक्शन का 88 प्रतिशत भाग सुरंगों में स्थित है, जहां कठोर ओवरहेड कंडक्टर सिस्टम (आरओसीएस) स्थापित किया गया है। यह प्रणाली भारतीय रेल प्रौद्योगिकी में एक नया मानदंड स्थापित करती है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद इलेक्ट्रिक लोको शेड भारतीय रेलवे का पहला ऐसा लोको शेड बन गया है, जिसने 200 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में कवच प्रणाली स्थापित करने का कार्य पूरा किया। वर्तमान में, कुल 215 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को कवच प्रणाली से लैस किया जा चुका है, जो किसी भी अन्य रेलवे जोन की तुलना में सर्वाधिक संख्या है।

वर्मा ने बताया कि नवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देते हुए, वर्ष 2024-25 में उत्तर रेलवे के विभिन्न स्थानों पर 1.606 मेगावाट सौर फोटोवोल्टिक (सोलर पीवी) प्रणाली स्थापित की गई। इसमें क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण केंद्र चंदौसी और आलमबाग वर्कशॉप में 405 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए, उत्तर रेलवे ने ईओजी/एचओजी रेक के रखरखाव के लिए डीजल जनरेटर सेट के स्थान पर 9 नई वॉशिंग लाइनों को 11 केवी/750वी कॉम्पैक्ट सबस्टेशन प्रणाली से लैस किया। इस प्रणाली से कुल 57 वॉशिंग लाइनों को जोड़ा गया है, जिससे 5.75 मिलियन यूनिट विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित हुई और लगभग 16 लाख लीटर एचएसडी तेल (हाई स्पीड डीजल) की बचत हुई।

वर्मा ने कहा कि रेल यात्रियों की सुविधा को बढ़ाने के उद्देश्य से वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर 17 लिफ्टें और 13 एस्केलेटर सफलतापूर्वक लगाएं गए। यह रेलवे की सतत् विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे यात्री सेवाओं को और अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

डोनाल्ड ट्रंप करेंगे एलन मस्क की छुट्टी, लौटेंगे अपने कारोबार में

वाशिंगटन

ट्रंप प्रशासन में सबसे ताकतवर अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) से छुट्टी होगी। एलन मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप ने निर्वाचित होने के बाद डीओजीई को सृजित कर इसका प्रमुख मस्क को बनाने की घोषणा की थी।

अमेरिकी डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार ट्रंप ने मंत्रिमंडल सदस्यों सहित अपने करीबी लोगों को बता दिया है कि एलन मस्क आने वाले हफ्तों में अपनी वर्तमान भूमिका से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप और मस्क के बीच इस पर चर्चा हो चुकी है। मुलाकात में फैसला किया गया है कि जल्द ही मस्क अपने कारोबार की दुनिया में वापस लौट जाएंगे। पॉलिटिको का कहना है कि ट्रंप की किचन कैबिनेट के तीन प्रभावशाली व्यक्तियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर मस्क की जल्द ही डीओजीई से विदा किए जाने की पुष्टि की। यह खबर डेमोक्रेटिक समर्थित उम्मीदवार जज सुसान क्रॉफोर्ड के विस्कॉन्सिन राज्य के सुप्रीम कोर्ट की दौड़ जीतने के बाद आई है। इस जीत को राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के लिए सबसे तगड़ा झटका बताया गया है। सुसान को हराने के लिए मस्क ने अकूत पैसा खर्च किया, बावजूद इसके वो सफल नहीं हो सके। हालांकि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि मस्क सलाहकार के रूप में अनौपचारिक भूमिका में बने रहेंगे। मस्क मई के अंत या जून की शुरुआत में डीओजीई की भूमिका से मुक्त हो जाएंगे।

स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष की यात्रा कराएंगे ऐलन मस्क, वीडियो भी जारी किया

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने वाले अरबपति एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने 31 मार्च को अपना नया मिशन फेम 2 लॉन्च किया। इस मिशन के दौरान एक स्पेसक्राफ्ट पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर पृथ्वी के ऑर्बिट के ऊपर से गुजरेगा। इस यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को मिलने वाले दृश्य को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। स्पेसएक्स का फेम 2 मिशन 31 मार्च 2025 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री जिन्हें नौसिखिया कहा जा सकता है को पोलर ऑर्बिट में भेजा गया। मिशन के शुरू होने के केवल 10 मिनट बाद ही स्पेसक्राफ्ट ने निचली पृथ्वी कक्षा में अपनी यात्रा शुरू की।

बिम्सटेक को विकासोन्मुख संगठन बनाने पर नेपाल का जोर

काठमांडू

बैंकाक में इंडिया फाउंडेशन के कार्यक्रम में नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा ने कहा कि बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) को जीवंत, जन-केंद्रित और विकास-उन्मुख संगठन के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने यह बात थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के मौके पर बुधवार को आयोजित तीसरी बिम्सटेक वार्ता 2025 में कही।

आरजू राणा ने क्षेत्रीय संगठन से क्षेत्र के भीतर लोगों की उम्मीदों, अपेक्षाओं और समस्याओं को संबोधित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक संगठनों को इसकी समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैसे दुनिया भर में दो विश्व युद्धों की राख से क्षेत्रीय कूटनीति और सहयोग उभरा, और कैसे

स्थानीय गतिशीलता, अद्वितीय क्षेत्रीय पहचान और अवसरों के साथ-साथ वैश्वीकरण से उभरी चुनौतियों जैसे कारकों ने प्रक्रिया को और आकार दिया है।डॉ. राणा ने बिम्सटेक को एक मजबूत साझेदारी मंच में बदलने के लिए क्षेत्रीय एकता और सामूहिक सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने इस क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों के खराब स्वास्थ्य, मातृ और शिशु मृत्यु दर की स्थिति, शासन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व, महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसर और जलवायु परिवर्तन जैसी बढ़ती चुनौतियों को मिलकर सामना करने के लिए आह्वान किया।उन्होंने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र और उससे आगे क्षेत्रीय शांति, एकता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में बिम्सटेक की भूमिका पर जोर दिया। डा. राणा ने बिम्सटेक के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, गरीबी को कम करने और सामूहिक सहयोग और लोगों से लोगों के संबंधों के माध्यम से जलवायु से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के बीच सार्थक सहयोग का आह्वान किया। विदेशमंत्री राणा ने अर्थव्यवस्था, संसाधनों, संस्कृति, समाज और क्षेत्र के लोगों में क्षेत्रीय संबंधों को गहरा करने के लिए बिम्सटेक की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय संगठन अभी तक प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों और युवा आबादी की क्षमता का दोहन करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते, परिवहन कनेक्टिविटी के लिए बिम्सटेक मास्टर प्लान, बौद्ध सर्किट, मंदिर सर्किट और इको-टूरिज्म सर्किट जैसे मौजूदा और नए कनेक्टिविटी ढांचे को बढ़ाने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला और अप्रयुक्त क्षेत्रीय क्षमता को अनलॉक करने के लिए अन्य पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के एकीकरण का अनुरोध किया।

रोहतक में सजा हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच, विश्व संवाद केन्द्र एवं सिने फाउंडेशन, हरियाणा कर रहा आयोजन

छात्र-छात्राओं में उत्साह, साज एवं सज्जा में दिया भरपूर योगदान

रोहतक

हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच सज चुका है। दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे। छात्र छात्राओं में महोत्सव के प्रति काफी उत्साह है। आज दिनभर तैयारी के दौरान छात्र छात्राओं ने एमडीयू के टैगोर सभागार की साज सज्जा में भरपूर योगदान दिया। सभागार की गैलरी में चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें अलग अलग क्षेत्रों में प्रसिद्धि हासिल करने वाली हरियाणा की विभूतियों के चित्र लगाए गए हैं,ताकि युवाओं को इनसे प्रेरणा मिले। इनमें हरियाणवी सिनेमा से लेकर भारतीय

सिनेमा,शिक्षा,चिकित्सा,विज्ञान,खेल,मीडिया, उद्योग व अन्य क्षेत्रों के प्रमुख चेहरे शामिल हैं। वहीं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान स्वतंत्रता सेनानियों,साहित्यकारों और महापुरुषों के चित्र प्रदर्शनी स्थल पर देखने को मिलेंगे। विश्व संवाद केंद्र के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि हरियाणा की सभ्यता और संस्कृति पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन करने तथा राज्य के भाईचारा और सामाजिक समरसता को उजागर करने के उद्देश्य से 4 अप्रैल से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हरियाणवी फिल्म महोत्सव 2025 प्रारंभ होगा।

विश्व संवाद केन्द्र, हरियाणा, सिने फाउंडेशन, हरियाणा तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन 4 अप्रैल को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे, जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। प्रसिद्ध अभिनेता राजकुमार राव भी समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह उद्घाटन एवं समापन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। इस फिल्म महोत्सव के शानदार आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और आज आयोजन समिति ने आयोजन संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया। आयोजन समिति ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और कला को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और लोक जीवन पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियां और प्रस्तुतियां होंगी, जो फिल्म प्रेमियों और सांस्कृतिक कर्मियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

ब्रीफ न्यूज़

संतोष धनगर बने भाजपा मीडिया प्रभारी, मंडल ने की कार्यकारणी घोषित

सारंगपुर। भारतीय जनता पार्टी राजगढ जिलाध्यक्ष ज्ञानसिंह गुर्जर की सहमति से सारंगपुर भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष महेश पुष्पद ने बुधवार को सारंगपुर नगर मंडल की नवीन कार्यसमिति की घोषणा की है। जिसमें महामंत्री की नियुक्त कर, संतोष धनगर को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। बता दे कि कमल राठौर, नगर पालिका उपाध्यक्ष भावना वर्मा को महामंत्री नियुक्त किया गया है। जबकि राजेंद्र सर्वावत, श्याम सोलंकी, विनोद लववंशी, अंकित अवस्ती, रेणु वंशकार, अर्चना यादव को मंडल उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इसी तरह मेघा नवीन रुण्डवाल, विक्रम अहिरवार, पवन कसेरा, सुरेंद्र विश्वकर्मा अनीता गिरजे को नगर मंत्री नियुक्त किया। इस अतिरिक्त संतोष कुंभकार को कोषाध्यक्ष, मांगीलाल पाटीदार कार्यालय मंत्री, मोहन लौदा को मीडिया प्रभारी, अजय मेवाडा को आईटी सेल प्रभारी बनाया गया। साथ ही 15 विशेष आमंत्रित सदस्य एवं 15 स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा 51 कार्यकारणी सदस्य को नियुक्त किया गया हैं। इनकी नियुक्त पर राज्य मंत्री गौतम टेटवाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल जैन, विधायक प्रतिनिधि पृथ्वी राज टेटवाल ' मोंटी 'ने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

महाविद्यालय में स्वीप गतिविधियों का आयोजन

देवरीकलां। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सागर के निदेर्शानुसार युवा मतदाताओं को जागरूक करने हेतु शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में 03 अप्रैल 2025 को स्वीप प्लॉन गतिविधियों का आयेजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ओम प्रकाश दुबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक होना चाहिए क्योंकि युवा जागरूक रहेगा तो देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम प्रभारी शिवलाल अहिरवार ने कहा कि हमें जाति, धर्म, समाज, किसी प्रकार का लोभ, लालच आदि से दूर होकर मतदान को अपना कर्त्तव्य समझते हुए निष्पक्ष होकर मतदान करना चाहिए। महाविद्यालय के ईएलसी क्लब सदस्य भगवत सिंह पटेल ने भी विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूकता हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का आभार धर्मेन्द्र अलावा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर एम्बेसेडर विद्यार्थी राजवीर परिहार, अक्षय पाण्डेय एवं महाविद्यालय परिवार तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रति मंगलवार सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ समिति का 185 वा भव्य आयोजन सेठानी घाट पर

नर्मदापुरम। स्थानीय श्री राम जानकी मंदिर में प्रति मंगलवार सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ समिति द्वारा आराध्य श्री हनुमान जी के प्राकट्य दिवस पर होने बाले भव्य आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया। आयोजन हर वर्ष की भातीं स्थानीय सेठानी घाट पर रात्रि 8 बजे से होगा। अतः समिति द्वारा बताया गया कि 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस बार समिति द्वारा भारत माता की आरती का विमोचन भी किया जाएगा। जिसके माध्यम से प्रत्येक मंदिर पर भगवान के साथ साथ भारत माता की आरती भी लोग कर सकेंगे।

एक साथ जली 18 चिताएं तो रो पड़ा हर शख्स, परिजन 5 मिनट भी नहीं देख सके अपनों का चेहरा

दीनबन्धु, देवास।
dinbandhunews.com

गुजरात के बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मारे गए मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों का नर्मदा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। गांव में मातम पसरा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सरकार ने सहायता राशि दी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रशासन लगातार प्रयासरत रहा। गुजरात के बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मारे गए मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों का अंतिम संस्कार गुरुवार को नर्मदा किनारे किया गया। देवास जिले के खातेगांव के पास गांव संदलपुर के नर्मदा किनारे 18 चिताएं एक साथ जलाई गईं। जिसने भी ये दिल दहलाने वाला दृश्य देखा, उसके आंसू नहीं थम रहे थे। बता दें कि गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री हादसे में देवास के संदलपुर के 10 और हरदा जिले के आठ मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी। करीब 48 घंटे बाद उनके शव उनके पैतृक गांव पहुंचे। एंबुलेंस पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में मातम पसर गया, चारों तरफ विलाप सुनाई देने लगा। कोई अपने बेटे को तो कोई अपनी बेटी को ताबूत में देख कर फूट-फूटकर रोने लगा। प्रशासन ने शवों को पांच मिनट के लिए मृतक परिवारों के घर के सामने रखा, फिर अंतिम संस्कार के लिए नेमावर रवाना किया। नेमावर घाट पर 18 शवों के अंतिम संस्कार के दौरान पूरा माहौल गमगीन था।

हरदा पटाखा फैक्ट्री में भी कर चुके थे काम: इस हादसे में जान गंवाने वाले कुछ मजदूर पहले हरदा की पटाखा फैक्ट्री में भी काम कर चुके थे। उनमें से कुछ लोग उस समय किसी हादसे में बच गए थे, लेकिन इस बार वे बच नहीं सके।

गांव में पसरा मातम: ग्राम संदलपुर में एंबुलेंस पहुंचते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन ताबूत में रखे शवों को देख उनसे लिपट गए और बिलखने लगे। पुलिसकर्मियों ने परिजनों को समझाया और शवों को अंतिम संस्कार के लिए नेमावर रवाना किया।

नेमावर घाट पर जलीं 18 चिताएं: नेमावर घाट पर जैसे ही शव पहुंचे, वहां लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस बल भी सुरक्षा के लिए तैनात रहा। देवास जिले के संदलपुर के 10 और हरदा के 8 मृतकों का एक साथ अंतिम संस्कार हुआ। घाट पर 18 चिताएं जलती देख हर कोई स्तब्ध रह गया। हरदा और देवास के कलेक्टर व एसपी भी मौके पर मौजूद रहे।

दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई: अंतिम संस्कार में पहुंचे पूर्व मंत्री कमल पटेल ने इसे हृदयविदारक घटना बताते हुए कहा कि सरकार दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी और कहा कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी।

गर्भवती महिलाओं व शिशुओं की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें स्वास्थ्य अधिकारी एवं कार्यकताओं को दिया प्रशिक्षण

निप्र/नर्मदापुरम। नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आरसीएच पोर्टल 2.0 का चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की निगरानी के लिए पोर्टल लाभकारी है। जिसके लिए कार्यकताओं को जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के बारे में बताया जा रहा है। नर्मदापुरम के होटल प्राइम लैंड में ब्लॉक वार मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना उद्देश्य है। अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नए वर्जन में पंजीयन के लिए समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ई-केवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिए समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा।

पोषण भी, पढ़ाई भी आंगनवाड़ी केंद्रों में समग्र विकास की नई दिशा

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

बाल्यावस्था केवल खेल-कूद और मस्ती का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन की आधारशिला रखने वाला महत्वपूर्ण दौर भी है। गर्भधारण से लेकर छह वर्ष की आयु तक का समय बच्चे के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद अहम होता है। विशेष रूप से पहले 1000 दिन, गर्भ के नौ महीने और जन्म के बाद के दो साल, बच्चे के भविष्य की नींव मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इस दौरान सही पोषण के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास के अवसर भी उतने ही आवश्यक होते हैं। संयुक्त परिवारों की घटती संख्या और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण अब घर में बच्चों को पारंपरिक रूप से मिलने वाला सहज शिक्षण प्रभावित हो रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाया जा रहा है, जहां गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण आहार के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है।

समाज की भागीदारी से होगा बच्चों का भविष्य उज्जवल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये न सिर्फ माता-पिता की बल्कि समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी की पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान की शुरूआत 10 मई 2023 को की गई थी। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यवस्था में देखभाल और शिक्षा पर आंगनवाड़ी प्रणाली का ध्यान केन्द्रित करना है।

आरिफ खान चिश्ती बने सूफी खानकाह एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव

निप्र/इटारसी। सूफी खानकाह एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी अधिवक्ता द्वारा चिश्ती की समाज जागरूकता और मानव सेवा को देखते हुए आरिफ खान को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है । इनकी नियुक्ति पर सर्व धर्म सद्भावना समिति के संरक्षक बशारत खान, फिरोज खान चिश्ती इटारसी, आरिफ खान अध्यक्ष मददगार आर्मी इटारसी, जुनैद ताजी ताजी ग्रुप नर्मदापुरम, विकास सोलंकी, गणेश नागले ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय महिला जागृति मंच को इंदौर में सर्वश्रेष्ठ मंच का पुरस्कार मिला

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

इंदौर स्थित रविन्द्र नाट्य भवन में जोन 3 का क्षैत्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ जिसमें नर्मदापुरम शाखा को सर्वश्रेष्ठ मंच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंच की अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने बताया कि राष्ट्र संत राष्ट्र गौरव आचार्य मुनिश्री पुलक सागर जी महाराज के सानिध्य में हम सब मंच का संचालन करते है। अधिवेशन में देव शास्त्र गुरू, मंच के प्रति निष्ठा व समर्पण को देखकर एवं विशेष कार्यों की अनुमोदन कर पुरस्कार दिया गया। पुरूस्कार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमति मीना झांझरी, राष्ट्रीय महामंत्री वीना टोंग्या, सम्भांग अध्यक्ष श्रीमति अनामिका वॉटलीवाय, सम्भाग महामंत्री आशा सोनी एवं सम्भाग संगठन मंत्री प्रीति जैन के कर कमलों से प्रदान किया गया। पुरूस्कार प्राप्त करने वाले संरक्षक ऐकता फौजदार, अध्यक्ष नीरजा फौजदार, महामंत्री अनीता अरुण जैन, उपाध्यक्ष शारदा जैन उपस्थित थी। नर्मदापुरम के सभी मंच सदस्यों ने बहुत खुशी जाहिर कर एक दूसरे को बधाई दी।

जलंधर मां ज्वाला देवी दर्शन करने पहुंचे आकाश सिंह राजपूत

श्रद्धालुवो को वितरित किए फल,कार्यकताओं के साथ बिताया समय

दीनबन्धु, सागर
dinbandhunews.com

नवरात्रि के पावन पर्व पर आकाश सिंह राजपूत एवं अरविंद सिंह टिंकू राजा सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जलंधर ग्राम में अति प्राचीन ज्वाला माता के दर्शन करने पहुंचे। जहां उन्होंने श्रद्धालुओं को फल वितरित किए एवं सभी श्रद्धालुओं के लिए गर्मी में निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ करते हुए दिनभर श्रद्धालुओं की सेवा की। साथ ही ग्राम जलंधर सहित आसपास क्षेत्र के कार्यकताओं के साथ क्षेत्र की समस्याओ को लेकर चर्चा करते हुए क्षेत्र वासियों के साथ एवं कार्यकताओं के साथ समय बिताया। आकाश सिंह राजपूत ने कहा कि मां ज्वाला देवी की कृपा से आपके मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा के हर गांव में विकास कार्यों की लंबी कतार लगा दी है आप सबका सहयोग और आशीर्वाद इसी तरह बना रहे ताकि हमारा परिवार आपकी निरंतर सेवा करते रहे ।अरविंद सिंह टिंकू राजा ने कहा कि सुरखी अब विकसित विधानसभाओं में आने लगी है यहां विकास कार्यों की गति देखकर पता चलता है कि जब विकास करने की नियत हो तो समय कोई मायने नहीं रखता। आपके मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कम समय में इतना अधिक विकास करके यह साबित कर दिया कि विकास करने के लिए सोच की जरूरत होती है और वह सोच सुरखी विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को देखकर नजर आती है । इस अवसर परअनिल श्रीवास्तव, बड़े राजा राजपूत, कमेंद्र सिंह राजपूत, आयुष श्रीवास्तव, देशराज यादव, धर्मेंद्र आदिवासी, वैभव कपूर, सुरेंद्र रघुवंशी, बसंत यादव,राहुल राजपूत, चंद्रेश राजपूत, शैलेंद्र जाट, लोकमान लोधी, अभिषेक राय कैलाश लोधी, गोविंद चौबे,राम प्रकाश यादव, बलराम मासाब, छोटेलाल चडार, जग्गू ढकरानिया, गोलू यादव, सत्येंद्र यादव, रामबाबू, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बादलो की चमक व गडगडाहट के साथ गिरा पानी

किसानो की सांसे हलक मे अटकी, हार्वेस्टर से फसल की कटाई बनी मजबूरी

दीनबन्धु, देवरीकलां।
dinbandhunews.com

आंधी तूफान बिजली की चमक दमक व बादलो की गडगडाहट के साथ गुरुवार की अलसुबह गौरझामार में गिरे पानी ने किसानो की सांसे रोक दी ,आननफानन मे किसानों को मजदूरो कटर व थ्रेसर से गेंहू की कटाई छोडकर मजबूरी मे भूसे का त्याग कर अपने खेतो मे हार्बेस्टर चलवाने पड गये है ,बादलो की उपस्थिति से हार्बेस्टरो वालो की पौ बारह है हार्बेस्टरो की दुकान चलने से भले ही किसान ने फसलो को नुकसान से बचाने के लिये अपना गेंहू सुरक्षित तो कर लिया लेकिन इस बिडम्बना के बीच पालतु जानवरो गाय-बैल भैस बकरी व अन्य जानवरो का निवाला हार्बेस्टरो ने निगल लिया जिस भूसे को किसान थेसर से काटकर सालभर के लिये मवेशियो के लिए स्टाक करके रख लेते थे वह इस साल बादलो के कारण बदले मौसम और बेमौसम बरसात के चलते रखने से वंचित हो गये बता दें की क्षेत्र मे आवारा लावारिस यहां वहां भटकने वाले पालतु जानवरो के भटकने का भी मुख्य कारण हार्वेस्टर ही है जिसमे से भूसा नही निकलने के कारण किसान अपने जानवरो को घर पर बांधकर नही रख पा रहा है कृषिक्रांति के कारण किसानो के पास टैक्टर आने से हरे घास की बीरें जिनसे जानवरो को हरीहरीघास सदैव मिलती रहती थी वह शनैशनै कृषि मे बदल देने से भी हरी घास की पैदावार बंद होने से मवेशियो के निवाले पर दोहरा वजाघात हुआ है दो दिन से बदले मौसम से किसान गम्भीर चिंता में देखा जा रहा है गौरझामर सर्किल फिलहाल प्रकृति की ओलामार से सुरक्षित बताई जा रही है।

महात्मा फुले चौराहे पर यात्रियों की सुविधा के लिए शीतल प्याऊ का हुआ शुभारंभ

जगदीश पुष्पद को बनाया महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती कार्यक्रम प्रभारी

दीनबन्धु, सारंगपुर
dinbandhunews.com

महात्मा फुले समता परिषद के सदस्यों द्वारा बस स्टैंड के पास महात्मा फुले चौराहे पर गुरुवार को समाज के पदाधिकारी द्वारा फीता काटकर निशुल्क शीतल प्याऊ का शुभारंभ किया गया महात्मा फुले समता परिषद जिला अध्यक्ष मनोज पुष्पद एवं भेरू दरवाजा पंचायत सचिव सुरेश पुष्पद ने बताया कि बस स्टैंड पर आने जाने वाले यात्रियों तथा हाईवे से निकलने वाले यात्रियों को भीषण गर्मी में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए शीतल प्याऊ का शुभारंभ किया गया आपकी बेसन गर्मी में आम लोगों को राहत मिल सके इस दौरान मनोज पुष्पद द्वारा सभी का दुपट्टा डालकर स्वागत किया इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि राधेश्याम बागवान महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद तलेनी पंचायत अध्यक्ष जगदीश पुष्पद बागकुआ टंकी पंचायत अध्यक्ष केलाश वर्मा पार्षद राकेश पुष्पद ओम पुष्पद राधिका पुरुषोत्तम वात्रे देवकरण पुष्पद बब्बल भगवान दास पुष्पद हरिनारायण पुष्पद मनोज शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे। वही 11 अप्रैल को महात्मा फुले जयंती के उपलक्ष में वाहन रेली सहित अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा इसको लेकर वाहन रैली एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश पुष्पद तलेनी को बनाया गया।

भोपाल संत हिरदाराम नगर में विशाल एवं भव्य चुनरी यात्रा निकली जिसमें विधायक रामेश्वर शर्मा शामिल हुए करीब दो किलोमीटर लंबी यात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत किया ओर बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित हुए।

लोकायुक्त नाराज, जांच के लिए बुलाने पर नहीं आते अफसर

जीएडी की चिट्ठी, अफसर खुद जाएं या जानकारी रखने वाले अवर सचिव को भेजें

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

लोकायुक्त और उप लोकायुक्त के पास होने वाली शिकायतों और जांच संबंधी मामलों में प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ अफसरों को भेजने पर जीएडी ने सख्ती के संकेत दिए हैं। जीएडी से लोकायुक्त कार्यालय ने इसको लेकर नाराजगी जताई थी कि शिकायतों और जांच के संबंध में बुलाए जाने पर राजधानी में पदस्थ सीनियर अफसर खुद नहीं जाते हैं और ऐसे अफसरों को भेजते हैं जिन्हें या तो पूरे मामले की जानकारी नहीं होती है या फिर वे संबंधित मामले में कार्रवाई को लेकर निर्णय कर पाने में सक्षम नहीं होते हैं। इसके बाद जीएडी ने इसको लेकर सभी विभागों को लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और कलेक्टरों को लिखे पत्र में जीएडी ने कहा है कि किसी शिकायत या जांच के संबंध में लोकायुक्त या उपलोकायुक्त के समक्ष हाजिर होने के मामले में लापरवाही का मामला संज्ञान में लाया गया है। अधिकारी ऐसे मामलों में अपने अधीनस्थ ऐसे कनिष्ठ अधिकारी जैसे अनुभाग अधिकारी या कर्मचारी को भेज देते हैं, जिन्हें संपूर्ण मामले की जानकारी नहीं होती है और ऐसे मामलों में कार्यवाही के लिए वे प्रतिबद्धता भी नहीं जता पाते हैं।इसलिए इन हालातों को देखते हुए अब जिम्मेदार अधिकारी किसी शिकायत या जांच के संबंध में लोकायुक्त और उपलोकायुक्त के समक्ष हाजिर होने का निर्देश मिलने पर खुद ही जाएंगे। अगर किसी कारणवश वे खुद नहीं जा पाते हैं तो उन्हें यह तय करना होगा कि राज्य सरकार की ओर से अवर सचिव से नीचे कैडर का कोई अधिकारी जो प्रकरण से पूरी तरह से परिचित हो, वह ही उनकी अनुपस्थिति में लोकायुक्त या उपलोकायुक्त के समक्ष उपस्थित होगा। विशेष परिस्थितियों में अगर विभाग में अवर सचिव की पदस्थापना नहीं है तो ऐसी स्थिति में अनुभाग अधिकारी या प्रभारी अनुभाग अधिकारी को हाजिर होने के लिए कहा जा सकेगा।

12 मार्च को लोकायुक्त ने लिखी थी जीएडी को चिट्ठी

लोकायुक्त संगठन कार्यालय ने 12 मार्च 2025 को लोकायुक्त या उपलोकायुक्त की जांच से संबंधित मामलों में बुलाए जाने पर आधी अधूरी जानकारी के साथ हाजिर होने वालों को लेकर जीएडी को चिट् ?ठी लिखी थी और इस मामले में जिम्मेदार अफसरों को ही भेजने के लिए कहा था। इसके बाद जीएडी ने यह निर्देश जारी किए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए निर्देश

सरकारी दफ्तरों से डाक व्यवस्था खत्म, ई-ऑफिस से जाएंगे पत्र

भोपाल। अब सभी विभागों की सरकारी डाक का आदान-प्रदान सिर्फ ई-ऑफिस या ई-मेल से ही होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को इसके लिए सख्त निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि छुट् ?टी के आवेदन, यात्रा कार्यक्रम, वेतन पत्रक, बैठकों की सूचना, नागरिकों की शिकायतें, सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी, निविदा प्रक्रिया और अधीनस्थ कार्यालयों से जुड़ी सामान्य जानकारी सिर्फ ई-मेल या ई-ऑफिस से ही भेजी जाए। इनके लिए अलग से हार्ड कॉपी भेजने की जरूरत नहीं है। अगर किसी पत्र पर हस्ताक्षर की जरूरत है, तो उसे डिजिटल साइन कर मेल करना होगा।

दरअसल, कुछ विभाग अब भी दस्तावेजों की हस्ताक्षरित प्रतियां मांगते हैं। इससे दोहरी प्रक्रिया बनती है और समय, स्टेशनरी, डाक, प्रिंटर और कागज पर खर्च बढ़ता है। ई-ऑफिस लागू होने के बाद इन खर्चों को कम करने की योजना थी।

लेकिन कई विभागों के अधिकारी दस्तावेज का प्रिंट निकालकर उस पर हस्ताक्षर कर उसे स्कैन कर ई-मेल करते हैं। यह तरीका अब बंद होगा। ई-मेल से प्राप्त डाक को सीधे ई-ऑफिस पर पीडीएफ में अपलोड किया जाएगा। उसका प्रिंट नहीं निकाला जाएगा। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि अधीनस्थ कार्यालयों से भी डाक सिर्फ ई-मेल या ई-ऑफिस से ही लें। विभागों के बीच पत्राचार भी ई-ऑफिस पर ही हो। भौतिक डाक सिर्फ विशेष स्थिति में ही भेजी जाए।

एमपी की 15008 वक्फ संपत्ति से सिर्फ दो करोड़ आय: डॉ सनवर पटेल

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने कहा कि एमपी वक्फ बोर्ड के अधीन 15008 संपत्तियां दर्ज हैं। इन संपत्तियों से कम से कम सौ करोड़ रुपए सालाना आय होना चाहिए लेकिन दो करोड़ रुपया भी नहीं आ पाता है। इसलिए जन कल्याण के काम में खर्च नहीं हो पाता। अब नए बिल के लागू होने के बाद राशि आएगी तो जनकल्याण के लिए खर्च की जा सकेगी। भोपाल में नईम खान ने वक्फ की प्रापर्टी का अवैध उपयोग किया है, उनके विरुद्ध आरआरसी जारी हुई है। गुरुवार को बीजेपी दफ्तर में मीडिया से चर्चा करते हुए वक्फ बोर्ड अध्यक्ष पटेल ने कहा कि देश भर में वक्फ की संपत्तियों को लेकर कई जगहों पर शिकायतें हुईं। जिसमें न्यायालय के साथ सरकार के दफ्तर भी शामिल हैं। वक्फ बिल पेश हुआ तो विपक्ष ने धमकाने, डराने का काम किया। जेपीसी ने देश भर में घूमकर सुझाव मांगे। इसके अलावा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सुझाव मांगे। दो करोड़ से अधिक लोगों ने इस

पर अपने सुझाव दिए हैं। देश के भाईचारे और समाज व देश हित में वक्फ बिल लाया गया है। असल हकदार जरूरत मंद मुसलमानों के लिए यह बिल है। चंद ताकतवर, धनाढ्य मुसलमान लोग वक्फ की जमीन पर कब्जा करके बैठे थे, वे इसका विरोध कर रहे हैं। अब असली जरूरत मंद मुसलमानों के हित में इन संपत्तियों से होने वाली आय को खर्च किया जा सकेगा।

विपक्ष पांच नाम बताए जिन्हें सीएए के कारण देश से निकाला गया

पटेल ने कहा कि विपक्ष के लोग आज भी पांच नाम या एक नाम बता पाने की स्थिति में नहीं हैं कि सीएए के बाद किसी को देश से निकाला गया है। जेपीसी के बाद 15 बिंदुओं पर जानकारी जुटाई गई थी और कलेक्टरों को फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। एमपी वक्फ बोर्ड ने 15 में से 12 बिंदुओं पर जानकारी भेज दी है। अब एमपी के लिए एक नया पोर्टल वामसी नाम से बनाया जा रहा है। शेष तीन बिन्दु राजस्व विभाग से संबंधित हैं जिसमें राजस्व रिकार्ड में संपत्तियों की क्या स्थिति है? निजी है या सरकारी है। बंदोबस्त के पहले जमीन का खसरा नम्बर क्या था? इसकी जानकारी कलेक्टरों से मांगी गई है।

कांग्रेस नेताओं का वक्फ पर कब्जा, इसलिए कर रहे विरोध

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पटेल ने कहा कि कांग्रेस नेता रियाज खान 7.11 करोड़ की आरआरसी जारी हुई है। इन्होंने वक्फ में 15 दुकानें बताई थी, इसकी जांच हुई तो 115 दुकानें मिलीं। ऐसे ही 1.84 करोड़ की रिकवरी सागर जिले के बीना में कांग्रेस नेता इकबाल खान पर निकली है। नईम खान भोपाल के हैं, उनके विरुद्ध भी सवा करोड़ रुपए आरआरसी जारी हुई है।

वक्फ बिल पास होने पर मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम का किया आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लोकसभा में वक्फ़ बिल पास होने पर मप्र वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डा. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने वक्फ़ बिल पास होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केन्द्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं देकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुरली नगर के दुर्गा मंदिर में मंत्री विश्वास सारंग महाआरती में हुए शामिल

भोपाल। बैरसिया रोड़ स्थित मुरली नगर कालोनी में मां दुर्गा मंदिर में चैत नवरात्रि के चलते मातारानी की महाआरती की गई जिसमें बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित हुए मुख्य अतिथि खेल युवा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पूजा अर्चना कर महाआरती की इस अवसर पर सर्व श्री नीरज पचौरी मंडल अध्यक्ष, बब्लेश राजपूत गौतम जयसवाल, पराग गोयल, पीयूष मीणा, राज चौहान, रौनक राठौर, निखिल, तनिष्क शर्मा तनुज शर्मा, रौनक श्रीवास्तव, आर्यन पटेल, अमित मीणा, रामजी पाठक, ओम जी, अंकित, शिवम, अनिकेत, आदित्य, नीतू जयसवाल, अंजु शर्मा आदि उपस्थित थे।

भोपाल में बूंदाबांदी, सीहोर-बालाघाट में पानी गिरा

भोपाल। गुरुवार को भोपाल में बूंदाबांदी और ग्वालियर में रिमझिम बारिश हुई है। मध्यप्रदेश में आज यानी गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। भोपाल, सीहोर, रायसेन, ग्वालियर और बालाघाट में बारिश हुई है। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम बारिश हुई है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे एमपी में आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवा?ी, टीकमग?, छतरपुर, सतना, रीवा, मैहर, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती।

मानव अधिकार हनन, सात कलेक्टर, एसपी को नोटिस

कॉलोनियों में सफाई नहीं होने पर बीडीए सीईओ और निगमायुक्त से मांगा जवाब

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मप्र राज्य मानव अधिकार आयोग ने प्रदेश में मानव अधिकारी हनन से जुड़े मामलों में संज्ञान लेकर भोपाल निगमायुक्त से लेकर मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, श्योपुर, छतरपुर, जबलपुर जिलाधीश, मुरैना पुलिस अधीक्षक समेत अन्य जिला अधिकारियों को नोटिस जारी कर रिपोर्ट मांगी है। भोपाल में कुछ कॉलोनियों में सफाई नहीं होने पर भोपाल निगमायुक्त एवं बीडीए सीईओ से भी जवाब तलब किया है। आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी एवं सदस्य राजीव कुमार टंडन ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के 11 मामलों में संज्ञान लिया है।

आयोग के अनुसार भोपाल नगर निगम वार्ड 83 में बीडीए कॉलोनी प्यारेलाल खंडेलवाल परिसर में साफ-सफाई नहीं होने के मामले में संज्ञान लेकर सीईओ, भोपाल विकास प्राधिकरण को नोटिस भेजा है। भोपाल में एक अन्य मामले में लिली टॉकीज चौराहे पर चैंबर खुले होने नगर निगम आयुक्त भोपाल से रिपोर्ट मांगी है। मंडला जिले के बिछिया थाना में पदस्थ उपनिरीक्षक द्वारा नशे की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में पदस्थ चिकित्सक से अभद्रता करने के मामले में पुलिस अधीक्षक मंडला से जांच रिपोर्ट मांगी है। विदिशा जिले की ग्यारसपुर तहसील के हैदरगढ़ के एलछा गांव में प्रसूता को अस्पताल ले जाने समय एंबुलेंस खराब होने पर सीएमएचओ, विदिशा को नोटिस भेजा है। मुरैना जिले के अंबाह ब्रांच कैनाल के फॉल में नहाने के दौरान कुल्हौली के दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत होने पर कलेक्टर मुरैना को नोटिस भेजकर पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि देने और घटना की रिपोर्ट मांगी है।

नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में युवक की नहर में नहाते समय डूबने से मौत होने पर कलेक्टर नरसिंहपुर को नोटिस भेजकर सहायता राशि देने और जांच भेजे को कहा है। सतना जिले के कोलगवां पुलिस थाना क्षेत्र में दो छात्रों की बाइक समेत नहर में गिरने से मौत होने पर कलेक्टर सतना से रिपोर्ट मांगी है। इसी तरह श्योपुर जिले के ढोढर थाना क्षेत्र में घर के सामने खेल रहे छह साल के बच्चे की गड्ढे में गिरने के मौत होने पर कलेक्टर को नोटिस भेजा है। साथ ही आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र

के शिवराजपुर गांव में 7 साल की मासूम बच्ची की गड्ढे में डूबने से मौत होने पर कलेक्टर छतरपुर से मामले की जांच कराकर मृतक के उत्तराधिकारियों को शासन की योजना अनुसार देय आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है। मुरैना जिले के ग्राम पालरी बनवारा में चंबल नदी में 13 वर्षीय बालिका की मगरमच्छ के हमला में मौत होने पर कलेक्टर मुरैना एवं डीएफओ मुरैना को नोटिस भेजा है। जबलपुर जिले के गढ़ा थाना क्षेत्र के त्रिपुरा चौक में सुबह की सैर के लिये निकले एक बुजुर्ग व्यक्ति की अज्ञात तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत होने पर कलेक्टर को नोटिस भेजा है।

भारतीय रेल का नया कीर्तिमान, बीते वित्त वर्ष में बनाए 7,134 कोच

कोच निर्माण में दुनिया का अग्रणी देश बनकर उभरा भारत

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7,134 कोचों का निर्माण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह संख्या पिछले वर्ष 6,541 कोचों के उत्पादन की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। आम आदमी का ध्यान रखते हुए गैर वातानुकूलित कोचों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पिछले वित्त वर्ष में 4,601 नॉन एसी कोच का उत्पादन हुआ। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय रेल की उत्पादन क्षमता में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शाती है, जो बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। इससे रेल सेवाएं अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और कुशल बनेंगी। जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव मिलेगा।

भारतीय रेल की तीन कोच निर्माण इकाइयां हैं। जिसमें तमिलनाडु के चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पंजाब के कपूरथला में रेल कोच फैक्ट्री और उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मॉडर्न कोच

2014 से 2024 के बीच कोच उत्पादन का आंकड़ा 54,809 पहुंचा

फैक्ट्री शामिल है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने वर्ष 2024-25 में पिछले उत्पादन रिकॉर्ड को तोड़ने हुए 3,007 कोच का उत्पादन किया है।

वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल की कोच निर्माण इकाइयों द्वारा कोच उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई ने वर्ष 2023-24 में 2,829 कोचों का निर्माण किया था, जो 2024-25 में बढ़कर 3,007 हो गया है, यानी 178 कोचों की वृद्धि दर्ज की गई है।

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला द्वारा वर्ष 2023-24 में 1,901 कोच बनाए गए थे, जबकि 2024-25 में इसका आंकड़ा बढ़कर 2,102 कोच हो गया है, जिससे 201 कोचों की बढ़ोत्तरी हुई है।

इसी प्रकार, मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली ने वर्ष 2023-24 में 1,684 कोचों का निर्माण किया था, जो 2024-25 में बढ़कर 2,025 कोच हो गया है। इस इकाई द्वारा 341 कोचों की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह आँकड़े भारतीय रेल की उत्पादन क्षमता और मांग के अनुसार संसाधन विस्तार के सकारात्मक संकेत प्रदान करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रेल ने कोच निर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। 2004 से 2014 के बीच प्रति वर्ष औसतन 3,300 कोच के करीब था। वहीं 2014 से 2024 के बीच कोच उत्पादन का आंकड़ा रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ 54,809 पहुंच गया, जिसका औसत 5,481 कोच रहा है। कोच निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि भारतीय रेल द्वारा आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में निर्णायक है। इसका उद्देश्य घरेलू निर्माण क्षमता को मजबूत करना, आयात पर निर्भरता को कम करना और रेलवे संरचना में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना है। रेल कोच निर्माण में भारतीय रेल की यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' पहल को नया आयाम देती है। साथ ही विश्व पटल पर भारत को एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3, पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II, करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल। (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578